मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्ष: 8 अंक 144
शनिवार, 06 दिसम्बर 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

'हम शांति के साथ हैं, तटस्थ नहीं': पुतिन संग वार्ता में पीएम मोदी का रूस-यूक्रेन पर बड़ा संदेश

नई दिल्ली, 05 दिसम्बर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच हैदराबाद हाउस में बैठक हो रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हैदराबाद हाउस में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ द्विपक्षीय वार्ता के दौरान कहा कि उनका मानना है कि रूस और यूक्रेन जल्द ही शांति की राह पर चल पड़ेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत तटस्थ नहीं है, बल्कि शांति के पक्ष में दृढ़ता से खड़ा है। यह टिप्पणी पुतिन की भारत यात्रा के दौरान दोनों नेताओं के बीच उच्च-स्तरीय चर्चा के दौरान हुई मुलाकात के दौरान आई।

पुतिन और रूसी प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए मोदी ने कहा कि यूक्रेन संकट की शुरूआत के बाद से दोनों देश लगातार संपर्क में रहे हैं। मोदी ने कहा कि मॉस्को ने हमें हर चीज की जानकारी दी है और हम पर विश्वास दिखाया है, और इस बात की पुष्टि की कि भारत बातचीत और विवादों के शांतिपूर्ण समाधान में विश्वास करता है। उन्होंने कहा, भारत शांति में विश्वास करता है... भारत तटस्थ नहीं है, हम शांति के पक्ष में हैं। राष्ट्रपति पुतिन ने निमंत्रण के लिए मोदी को धन्यवाद दिया तथा यात्रा के दौरान उन्हें और उनके प्रतिनिधिमंडल को दिए गए गर्मजोशी भरे स्वागत के लिए उनकी सराहना की।

इससे पहले रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने राजघाट पर आगंतुक पुस्तिका पर हस्ताक्षर किए, जहां उन्होंने महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की। भारत की दो दिवसीय राजकीय यात्रा पर आए रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को शुक्रवार सुबह राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की उपस्थिति में तीनों सेनाओं द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, विदेश मंत्री एस. जयशंकर और प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल अनिल चौहान सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

सोनिया गांधी पर मतदाता सूची मामले में नई याचिका, 9 दिसंबर को सुनवाई

नई दिल्ली, 05 दिसम्बर। सितंबर में एक मजिस्ट्रेट अदालत द्वारा खारिज की गई एक शिकायत, जिसमें कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी का नाम 1980-81 की मतदाता सूची में गलत तरीके से शामिल करने का आरोप लगाया गया था, को अब शिकायतकर्ता ने चुनौती दी है, जिसने सत्र न्यायाधीश के समक्ष एक पुनरीक्षण याचिका दायर की है। इस याचिका पर 9 दिसंबर को सुनवाई होनी है, जिससे एक ऐसा मामला फिर से खुल जाएगा जिसे पहले ही शुरूआत में खारिज कर दिया गया था।

सितंबर में अपने आदेश में, राउज एवेन्यू अदालत ने माना था कि पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष के खिलाफ आपराधिक शिकायत कानूनी रूप से असमर्थनीय, तथ्यहीन और उसके अधिकार क्षेत्र से बाहर है। अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (एसीजेएम) वैभव चौरसिया ने कहा कि सूचना देने वाले ने ₹इस न्यायालय को ऐसा अधिकार क्षेत्र ग्रहण करने के लिए प्रेरित करने का प्रयास किया था, जो कानूनन उसके अधिकार क्षेत्र में नहीं आता। न्यायाधीश ने पाया कि याचिका पूरी तरह से 1980 की मतदाता सूचियों की अप्रमाणित प्रतियों पर आधारित थी, और इसे आपराधिकता की आड़ में एक दीवानी या साधारण विवाद को पेश करके कानून की प्रक्रिया का दुरुपयोग बताया। आदेश में कहा गया है: केवल निराधार दावे, धोखाधड़ी या जालसाजी के वैधानिक तत्वों को आकर्षित करने के लिए आवश्यक आवश्यक विवरणों के बिना, कानूनी रूप से टिकाऊ आरोप का विकल्प नहीं हो सकते।

अधिकार क्षेत्र के मुद्दे पर, एसीजेएम चौरसिया ने जोर देकर कहा कि नागरिकता के प्रश्न संविधान के अनुच्छेद 11 और नागरिकता अधिनियम, 1955 के तहत पूरी तरह से केंद्र सरकार के अधिकार क्षेत्र में आते हैं। इसके विपरीत, जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 और 1951 के तहत मतदाता सूची पर निर्णय पूरी तरह से भारत के चुनाव आयोग के पास होता है। अदालत ने कहा कि ऐसे मामलों में कोई भी आपराधिक अदालत द्वारा निर्णय लेना संवैधानिक रूप से आरक्षित क्षेत्रों में अनुचित अतिक्रमण होगा और अनुच्छेद 329 का उल्लंघन होगा।

शादी की उम्र न हुई हो, तब भी लिव-इन में रह सकते हैं बालिग: राजस्थान उच्च न्यायालय

जयपुर, 05 दिसम्बर। राजस्थान उच्च न्यायालय ने कहा कि दो बालिग व्यक्ति अपनी मर्जी से लिव-इन में रह सकते हैं भले ही अभी उनकी शादी के लिए जरूरी कानूनी उम्र न हुई हो। अदालत ने इस बात पर जोर दिया कि किसी के संवैधानिक अधिकारों को इस आधार पर कम नहीं किया जा सकता। न्यायमूर्ति अनूप ढांड ने कोटा निवासी 18 वर्षीय महिला और 19 वर्षीय पुरुष द्वारा सुरक्षा के लिए दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए यह फैसला सुनाया। महिला और पुरुष ने अदालत को बताया कि वे अपनी मर्जी से साथ रह रहे हैं। इस आदेश की प्रति बृहस्पतिवार को उपलब्ध हुई।

इस युगल ने कहा कि उन्होंने 27 अक्टूबर 2025 को लिव-इन एग्रीमेंट किया था। याचिकाकताओं ने आरोप लगाया कि महिला के परिवार ने इस रिश्ते का विरोध किया और उन्हें जान से मारने की धमकी दी। उन्होंने कोटा पुलिस में इस बारे में शिकायत की तो उस पर कोई कार्रवाई नहीं की गई।

याचिका का विरोध करते हुए लोक अभियोजक विवेक चौधरी ने कहा कि चूंकि युवक की उम्र 21 साल नहीं हुई है, जो पुरुषों के लिए शादी की न्यूनतम कानूनी उम्र है तो उसे लिव-इन में रहने की इजाजत नहीं दी जानी चाहिए। अदालत ने इस दलील को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत प्रदत जीवन और निजी आजादी के अधिकार को सिर्फ.इसलिए नहीं नकारा जा सकता कि याचिकताओं की शादी के लिए जरूरी कानूनी उम्र नहीं हुई है।

न्यायाधीश ने आदेश में कहा, सरकार की संवैधानिक जिम्मेदारी है कि वह हर व्यक्ति के जीवन और आजादी की रक्षा करे। उन्होंने कहा कि भारतीय कानून के तहत लिव-इन पर रोक नहीं है और न ही इसे अपराध माना जाता है। उन्होंने भीलवाड़ा और जोधपुर (ग्रामीण) के पुलिस अधीक्षक को याचिका में उल्लेखित तथ्यों का सत्यापन करने व जरूरत पड़ने पर युगल को जरूरी सुरक्षा देने का निर्देश दिया।

संवेदनशीलता ही पुलिसिंग की पहचान : पुलिस आयुक्त

श्रेष्ठ प्रशिक्षणझ्रसशक्त महिला पुलिस. तकनीक, अनुशासन और मानवीय व्यवहार पर विशेष जोर

सुरेश गांधी

वाराणसी। रिजर्व पुलिस लाइन में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहीं महिला आरक्षियों से शुक्रवार को पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट मोहित अग्रवाल ने संवाद कर उनके प्रशिक्षण की प्रगति और दक्षता की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने प्रशिक्षु आरक्षियों को संबोधित करते हुए कहा आप सभी भविष्य की संवेदनशील, सक्षम और मजबूत पुलिसिंग का चेहरा हैं। श्रेष्ठ प्रशिक्षण, अनुशासन और मानवीय व्यवहार ही आपको जनता की सुरक्षा और महिला सशक्तिकरण की वास्तविक शक्ति बनाएंगे। आयुक्त ने कहा कि जनता पुलिस को एक आदर्श के रूप में देखती है, इसलिए प्रत्येक पुलिसकर्मी को अपने आचरण, भाषा, व्यवहार और कार्यशैली से ऐसा मानक प्रस्तुत करना चाहिए कि जनता का विश्वास

पुलिस पर लगातार मजबूत हो। समाज के गरीब, कमजोर और वंचित वर्ग के प्रति विशेष संवेदनशीलता बरतने पर उन्होंने जोर दिया ताकि हर व्यक्ति स्वयं को सुरक्षित और संरक्षित महसूस कर सके। आधुनिक दौर की चुनौतियों को रेखांकित करते हुए पुलिस आयुक्त ने कहा कि तकनीकी दक्षता अब पुलिसिंग का अनिवार्य हिस्सा है। कंप्यूटर संचालन, साइबर अपराध की समझ, डिजिटल साक्ष्यों का संरक्षण और विश्लेषण जैसे विषयों को गंभीरता से सीखने की सलाह दी गई। उन्होंने कहा कि तकनीक आधारित अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं, इसलिए आधुनिक ज्ञान ही आपको प्रभावी और स्मार्ट पुलिसिंग का हिस्सा बनाएगा।

मोहित अग्रवाल ने प्रशिक्षण के दौरान हत्या, मानव वध, सड़क दुर्घटनाओं की कानूनी धारा, बीएनएस/बीएनएसएस के प्रावधान, निरोधात्मक कार्यवाहियां, आत्मरक्षा, संवाद कौशल, अपराध जांच की प्रक्रिया और साइबर अपराध (डिजिटल अरेस्ट एवं इन्वेस्टमेंट फ्रॉड) जैसे विषयों की प्रासंगिकता बताते हुए प्रशिक्षुओं से उनकी जानकारी भी साझा कराई। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण को केवल रटने की बजाय गहन अध्ययन कर समझने की आदत विकसित करनी चाहिए। संवाद के दौरान प्रशिक्षुओं ने अपने अनुभव, सामने आने वाली समस्याओं और आवश्यकताओं के बारे में खुलकर बात की। आयुक्त ने उनकी सभी बातें ध्यान से सुनीं और आवश्यक सुधारात्मक निर्देश भी दिए। हॉस्टल में रहनेझ्रखाने की व्यवस्था और गुणवत्ता के बारे में भी विस्तृत जानकारी ली गई। आयुक्त ने आरटीसी के अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रशिक्षु महिला आरक्षियों को वाराणसी के इतिहास, संस्कृति और विशेषताओं की जानकारी कराई जाए और उन्हें शहर के प्रमुख पर्यटन स्थलों का भ्रमण भी कराया जाए, ताकि वे स्थानीय सांस्कृतिक परिवेश को बेहतर समझ सकें। उन्होंने कहा कि पुलिस की पहचान संवेदनशीलता, त्वरित प्रतिक्रिया और प्रोफेशनल दक्षता से होती है। इसलिए प्रत्येक प्रशिक्षु को धैर्य, शिष्टाचार और मानवीय दृष्टिकोण अपने व्यवहार का हिस्सा बनाना चाहिए। फिटनेस, आत्मसंयम, नेतृत्व क्षमता और टीमवर्क को विकसित करने के लिए भी प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान पुलिस उपायुक्त लाइन श्रीमती नीतू, अपर पुलिस उपायुक्त लाइन वैभव बांगर, सहायक पुलिस आयुक्त लाइन ईशान सोनी सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

उम्मीद पोर्टल पर वक्फ संपत्ति पंजीकरण के लिए बड़ी राहत: किरेन रिजिजू ने दी तीन महीने की छूट

नई दिल्ली, 05 दिसम्बर। केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने शुक्रवार को घोषणा की कि केंद्र सरकार पंजीकरण की समय सीमा के बाद अगले तीन महीनों तक वक्फ कानून के तहत उम्मीद पोर्टल पर संपत्ति पंजीकृत करने वाले मुतवल्लियों पर जुमार्ना नहीं लगाएगी या सख्त कार्रवाई नहीं करेगी। पत्रकारों से बात करते हुए, रिजिजू ने कहा कि कई सांसदों और सामाजिक नेताओं ने समय सीमा, जो 5 दिसंबर है, बढ़ाने का अनुरोध किया था, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने छह महीने की समय सीमा के बाद इसे देने से इनकार कर दिया।

केंद्रीय मंत्री ने मुतवल्लियों से आग्रह किया कि वे न्यायाधिकरण से संपर्क करें, क्योंकि वक्फ (संशोधन) अधिनियम के तहत, न्यायाधिकरण को विस्तार देने का अधिकार है। किरेन रिजिजू ने कहा कि वक्फ कानून बनाने के बाद, हमने 'उम्मीद' पोर्टल लॉन्च किया था और संबंधित पक्षों को पोर्टल पर सभी वक्फ संपत्तियों को पंजीकृत करने के लिए छह महीने का समय दिया गया था। आज आखिरी दिन है, और लाखों संपत्तियां अभी भी पंजीकृत नहीं हुई हैं। कई सांसद और सामाजिक नेता मेरे पास समय सीमा बढ़ाने का अनुरोध करने आए थे। अब तक, डेढ़ लाख से अधिक वक्फ संपत्तियां 'उम्मीद' पोर्टल पर पंजीकृत हो चुकी हैं।

उन्होंने कहा कि मैं सभी मुतवल्लियों को आश्वस्त करता हूँ कि अगले तीन महीनों तक, हम 'उम्मीद' पोर्टल पर पंजीकरण करने वालों पर कोई जुमार्ना नहीं लगाएंगे या कोई सख्त कार्रवाई नहीं करेंगे। यदि आप पंजीकरण करने में असमर्थ हैं, तो मेरा अनुरोध है कि आप न्यायाधिकरण में जाएँ। सर्वोच्च न्यायालय ने अपने निदेर्शों में स्पष्ट किया था कि छह महीने की समय सीमा के बाद तारीख नहीं बढ़ाई जा सकती, लेकिन न्यायाधिकरण के पास इसे छह महीने तक आगे बढ़ाने का अधिकार है।

रिजिजू ने जोर देकर कहा कि केंद्र अधिकतम राहत तो देगा, लेकिन वह कानून से बंधा हुआ है। उन्होंने कहा कि हम अपने लोगों को अधिकतम राहत देने की पूरी कोशिश करते हैं, लेकिन कुछ चीजें कानून से बंधी होती हैं।

आर के मीडिया
हिन्दी दैनिक न्यूज पेपर, साप्ताहिक न्यूज पेपर, हिन्दी मासिक पत्रिका का पेज बनवाने के लिए
सम्पर्क करे: 9199355950

बेंगलुरु में एक व्यक्ति मेट्रो ट्रेन के सामने कूदा, मौत

बेंगलुरु। बेंगलुरु के केंगेरी मेट्रो स्टेशन पर एक व्यक्ति ने ट्रेन के सामने कूदकर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली, जिससे पर्पल लाइन पर मेट्रो सेवाएं कुछ देर के लिए प्रभावित हुईं। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। मेट्रो अधिकारियों ने बताया कि मृतक की पहचान 38 वर्षीय शांतगौड़ पुलिसपाटिल के रूप में हुई है। यह घटना सुबह सवा आठ बजे हुई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, शांतगौड़ ने ट्रेन से टकराने के लिए सही समय पर छलांग लगाई थी और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने पैरामेडिकल टीम के साथ मिलकर शव को तुरंत पटरियों से हटाया।

संघ का सनातन एवं प्रकृति-दर्शनः वैश्विक चेतना का आह्वान

-ललित गर्ग

भारत की सांस्कृतिक चेतना की जड़ में पंचमहाभूतों की जीवन-व्यवस्था है-भूमि, जल, अग्नि, वायु और आकाश का संतुलन ही भारतीय ज्ञान-तंत्र की आत्मा है। भगवान शब्द के अक्षरों में निहित पंचतत्त्वों का सार यही दर्शाता है कि भारतीय जीवन-दर्शन में भगवान कोई बाहरी सत्ता नहीं, बल्कि प्रकृति और संस्कृति का सुसंगठित योग है। यही दृष्टि सनातन कहलाती है, नित्य प्रवाहमान, पुनर्जननशील, अविनाशी। जब भारत का जीवन इसी तत्वदृष्टि से संचालित था, तब वह न केवल आर्थिक रूप से बल्कि सांस्कृतिक रूप से भी विश्व-गुरु था। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष में यह विचार और भी प्रासंगिक हो उठता है कि संघ का अस्तित्व ही सनातन जीवन-शैली की पुनस्र्थापि, पुनर्रचना और पुनर्स्थापना का प्रयत्न है। संघ नेतृत्व विशेषकर सरसंघचालक मोहन भागवत की दृष्टि इस मूल दर्शन की आधुनिक व्याख्या है- भारत की पहचान धर्म से है और धर्म केवल पूजा-पद्धति नहीं, बल्कि जीवन-शैली है, जिसमें प्रकृति, समाज, संस्कृति और आत्मा का संतुलन हो। उनकी यह बात भारत की वैदिक चेतना को वर्तमान विश्व-यथार्थ में स्थापित करती है।

संघ के शताब्दी वर्ष का समय केवल एक संगठनात्मक उत्सव नहीं बल्कि भारत की सनातन जीवन पद्धति के पुनरुत्थान का क्षण है। संघ सरचालक श्री मोहन भागवत बार-बार यह कहते रहे हैं कि भारत का अस्तित्व किसी राजनीतिक ढांचे से नहीं बल्कि उसकी प्रकृति और संस्कृति के अखंड योग से बना है। भारतीय जीवन का यह सत्य पंचमहाभूतों के योग में निहित है, जिनसे सृष्टि बनी और जिनकी गति को भगवान कहा गया। मोहन भागवत का दृष्टिकोण इस सत्य को आधुनिक भाषा में समझाता है कि सनातन केवल धर्म नहीं बल्कि वह जीवन-तंत्र है जो मानव और प्रकृति के संतुलन से चलता है। भारतीयता प्रकृति-पूजक है और संस्कृति को उसी प्रकृति की लय पर निर्मित करती है।

आज की दुनिया युद्ध, आतंक, प्रतिस्पर्धा और पर्यावरणीय संकट से त्रस्त है। मानव की भूख केवल संसाधन और उपभोग तक सीमित होने से जीवन तनाव, प्रदूषण और अव्यवस्था का पर्याय बनता जा रहा है। यही पश्चिमी दुनिया की शोषणकारी दृष्टि रही जिसने प्रकृति पर नियंत्रण को प्रगति माना, जबकि भारत की दृष्टि पोषण और सहअस्तित्व की थी। मोहन भागवत कहते हैं कि भारत का मार्ग सबका हित और सबके साथ्ह पर आधारित है, क्योंकि भारतीय समाज ने प्रकृति को माता माना और संस्कृति को उसका स्वरूप। यह वही दृष्टि है जिसमें धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष जीवन के चार आयाम हैं; जहां मोक्ष की चाह लालच रहित आनंद में है और जीवन को आरोग्य बनाना ही संस्कृति का प्रमुख लक्ष्य है। संघ का जीवन यही संदेश देता है कि व्यक्ति, समाज, राष्ट्र और विश्व तभी स्वस्थ होंगे जब मानव प्रकृति के साथ समरस जीवन जिएगा।

आज जब राष्ट्रवाद को भौतिक शक्ति से मापा जा रहा है, तब मोहन भागवत इसके आध्यात्मिक स्वरूप को स्पष्ट करते हैं। राष्ट्र उनके लिए भू-भाग ही नहीं, बल्कि स्मृति, संस्कृति, प्रण और परंपरा का जीवंत व्यक्तित्व है। वे कहते हैं कि भारत की शक्ति उसकी विविधता और सामंजस्य में है, और सनातन इसलिए सनातन है क्योंकि वह पुनर्जननशील है; वह कभी समाप्त नहीं होता क्योंकि उसका आधार प्रकृति है। यही कारण है कि संघ की जीवन शैली में ग्राम विकास, पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य आधारित आहार-विहार, चरित्र निर्माण और संतुलित व्यवहार को स्थान दिया गया। गांव, गौ-संवर्धन, हस्तशिल्प, लोक-जीवन, जैविक खेती, नदी-पुनरुद्धार, जल संरक्षण, स्वच्छता एवं आत्मनिर्भर भारत-ये नीतियां आधुनिक रूप में भू-सांस्कृतिक मानचित्र की पुनर्स्थापना है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय जीवन दृष्टि को आधुनिक शासन में उतारा है। योग का विश्वदिवस घोषित होना, आयुर्वेद का पुनर्धर्म, माई लाइफ माई योगा, पंचामृतह, लोकल टू ग्लोबल, वोकल फॉर लोकल, जी-20 की भारतीय दर्शन आधारित थीम वसुधैव कुटुम्बकम, मिशन लाइफ, प्राकृतिक खेती, पारंपरिक चिकित्सा मंत्रालय, मंदिरों का पुनर्जीवन, सांस्कृतिक आत्मविश्वास का उदय-ये सब उस सनातन दृष्टि के शासन रूप हैं जिसे संघ वर्षों से साधता आया है। मोदी के नेतृत्व में भारत की राजनयिक भूमिका आध्यात्मिक भाषा में उभर रही है, जहां युद्ध की भाषा की जगह सहजीवन की भाषा है, प्रतिस्पर्धा की जगह सहयोग की भूमिका है। मोहन भागवत कहते हैं कि भारत को दुनिया में नेतृत्व अपने धर्म से मिलेगा, किसी वर्चस्व से नहीं। यही धर्म प्रकृति और संस्कृति के संतुलन का वह सिद्धांत है जिससे भारत को दार्शनिक राष्ट्र बनाया।

आज दुनिया ग्लोबल वार्मिंग, महामारी, अकेलापन, मानसिक तनाव और युद्ध के बीच टूट रही है। पश्चिमी विज्ञान समाधान के लिए रोबोट, जीन इंजीनियरिंग या डिजिटल कृतक जीवन की ओर जा रहा है, जबकि भारतीय अध्यात्म कहता है कि समाधान भीतर है, प्रकृति के साथ है, समरस संस्कृति के साथ है। यही संघ का कथन है कि मानव को मनुष्य बनाना ही राष्ट्र निर्माण है। संघ का जीवन तंत्र व्यक्ति में यह भरोसा जगाता है कि वह सृष्टि से जुड़ा है, पंचमहाभूतों का अंश है, और उसका धर्म है कि वह प्रकृति और समाज दोनों का पोषण करे। संघ की शाखाओं में हर प्रार्थना नमस्ते सदा वत्सले मातृभूमि यह स्मरण दिलाती है कि भारत माता केवल प्रतीक नहीं बल्कि प्रकृति और संस्कृति का योग है, जिसे जीना ही सनातनता है। संघ के लिए सनातन केवल अतीत का गौरव नहीं, बल्कि आधुनिक मनुष्य के लिए नैतिक और सामाजिक अनुशासन की ऊर्जा है। संघ स्वयंसेवक जब शाखा में प्राणायाम, सूर्यनमस्कार, योगासन और सामूहिक भाव-विन्यास करते हैं, तो वे भारतीय संस्कृति के मूल सूत्र ह्यब्रह्माण्ड-प्रकृति-संस्कृति योग को साधते हैं।

मोहन भागवत यह भी कहते हैं कि भारत का मार्ग किसी पर थोपने का नहीं है बल्कि जगत को दिखाने का है कि शांति, समृद्धि और संतोष कैसे प्राप्त हो सकते हैं। उनके वक्तव्यों में स्पष्ट है कि सनातन जीवन-पद्धति ह्यब्रह्मण और उपभोग नहीं बल्कि सहजीवन और पोषण सिखाती है। एक ओर पश्चिमी मॉडल शोषण, नियंत्रण का जीवन देता है, विज्ञान भी वहां सत्ता का औजार है, दूसरी ओर भारतीय दर्शन अध्यात्म और विज्ञान को पूरक बनाता है, भौतिकी को आध्यात्मिक चेतना से संचालित करता है। यही अंतर भारत और विश्व को दिशा देता है। उनकी दृष्टि में भारत की समस्याओं का समाधान भारतीय प्रणाली के पुनर्संयोजन में है, जिसमें ज्ञान केवल तकनीक न हो बल्कि जीवन विद्या हो। वे कहते हैं कि यदि भारत प्रकृति आधारित संस्कृति को पुनर्जीवित करेगा तो आरोग्य, आनंद और मोक्ष की दिशा में एक नई मनुष्यता जन्म लेगी। यह केवल भारत के लिए नहीं बल्कि विश्व के लिए समाधान है क्योंकि विश्व के संकट का मूल मानव और प्रकृति के बीच का विभाजन है। आज संघ का शताब्दी वर्ष इसलिए महत्वपूर्ण है कि यह भारत के सनातन पुनरुत्थान का ऐतिहासिक मोड़ हो सकता है। संघ की जीवन शैली-साधारणता, संयम, समर्पण, समाज-धर्म, अनुशासन, सेवा और आत्मपरिष्कार, यह प्रकृति आधारित संस्कृति की आधुनिक अभिव्यक्ति है। और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का शासन, संघ के जीवन तंत्र को वैश्विक मंच पर प्रतिष्ठित करने का राजनीतिक-राजनयिक रूप है। इसलिए आज के हिंसा और युद्धग्रस्त विश्व के लिए भारत का संदेश स्पष्ट है कि समाधान हथियार से नहीं, जीवन दर्शन से होगा; विकास भौतिक उपभोग से नहीं, समरस संस्कृति से होगा; और भविष्य उस सभ्यता का है जो प्रकृति को माता और संस्कृति को सृष्टि का धर्म मानकर चलती है। सनातन जीवन दृष्टि केवल विश्वास नहीं, बल्कि मानवता के लिए जीवंत प्रस्ताव है। संघ सरचालक मोहन भागवत का आग्रह इसी पर है कि भारत को अपने असली ज्ञान पर पुनर्विश्वास करना होगा, क्योंकि वही वह शक्ति है जो संकटग्रस्त विश्व को दिशा दे सकती है। जब प्रकृति और संस्कृति का योग जीवन का आधार बनता है, तब व्यक्ति आरोग्यवान, समाज समृद्ध और राष्ट्र मोक्षपथगामी होता है। यही सनातन समृद्धि है और यही भारत का वैश्विक योगदान है, जिसकी उद्घोषणा संघ के शताब्दी वर्ष में अधिक स्पष्ट होती है कि विश्व बंधुत्व, प्रकृति सम्मान और मोक्ष-केंद्रित जीवन, यही भविष्य की सभ्यता है।

6 दिसंबरः वह दिन, जिसकी कुर्बानियों ने अयोध्या को उसकी आत्मा लौटाई

6 दिसंबर भारतीय इतिहास का वह मोड़ है, जहां आस्था, संघर्ष और राजनीति की त्रिवेणी एक साथ फूटती दिखाई देती है। यह तारीख केवल किसी ढांचे के ढहने की स्मृति नहीं, बल्कि उस सामाजिक उथल-पुथल, भावनात्मक वेग और वैचारिक संघर्ष की प्रतिध्वनि है जिसने भारत को नए विमर्शों के द्वार पर खड़ा किया। बाबरी घटना के 33 वर्ष बीत चुके हैं, पर यह दिन आज भी केवल अतीत का अध्याय नहीं, वर्तमान की राजनीति, सुरक्षा एजेंसियों की सतर्कता और आने वाली पीढ़ियों की स्मृति में लगातार नए आयाम जोड़ता रहता है। और विडंबना देखिए, जिस तारीख को एक विवादित ढांचा गिरा था, उसी कालखंड की परिणति आज अयोध्या में विराट राममंदिर के रूप में सामने खड़ी है। लाखों संघर्षशील कंधों, हजारों नाम-गुमनाम तपस्वियों और कई पीढ़ियों की श्रद्धा ने इस विजय को संभव बनाया। यही कारण है कि कुछ लोग 6 दिसंबर को विजय-स्मृति दिवस की तरह भी देखते हैं, जहां इतिहास का एक अध्याय समाप्त होकर एक नए युग का आरंभ हुआ। आज, जब सुरक्षा एजेंसियां 6 दिसंबर और 13 दिसंबर (संसद हमले की बरसी) के मद्देनजर अपने स्तर पर अलर्ट हैं, तो यह भी याद दिलाता है कि इतिहास केवल किताबों में नहीं रहता, वह हमारी गलियों, हमारे मन और हमारी राजनीति में जीवित रहता है

-सुरेश गांधी

भारत के सामाजिक-धार्मिक इतिहास में कुछ तिथियां ऐसी होती हैं जो सिर्फ कैलेंडर पर नहीं रहतीं, वे राष्ट्र की चेतना का हिस्सा बन जाती हैं। 6 दिसंबर 1992 ऐसी ही तारीख है। कुछ के लिए यह सनातन अस्मिता की पुनर्स्थापना का क्षण है, कुछ के लिए दुख और सामाजिक तनाव का प्रतीक, और राष्ट्र के लिए एक गंभीर मोड़, जिसने आने वाले दशक की राजनीति, न्याय और सामाजिक संरचना बदल दी। परंतु इन सबके बीच एक सवाल सधे स्वर में उठता है, क्या 6 दिसंबर को सनातनियों का विजय पर्व कहा जा सकता है? उत्तर न तो पूरी तरह हाँ है और न बिल्कुल ना। क्योंकि यह दिन विजय से पहले के संघर्ष का क्षण है, वह दिन, जिसने भव्य मंदिर निर्माण की दिशा खोली, किंतु जिसका परिणाम एक लम्बे न्यायिक-राजनीतिक सफर के बाद मिला। मतलब साफ है भारतीय इतिहास के कुछ पृष्ठ ऐसे होते हैं जिनका शीर्षक समय नहीं लिखता, बल्कि समाज अपने घावों और गौरव से लिखता है। 6 दिसंबर भी ऐसी ही एक तारीख है, एक ऐसी तिथि, जिसके किनारे पर विरोध, विरोधाभास, तीखे स्वर, प्रबल भावनाएं और समूची भारतीय चेतना के उतार - चढ़ाव एक साथ दर्ज हैं। 33 वर्ष पूर्व अयोध्या की सरयू किनारे खड़े एक विवादित ढांचे के ध्वंस ने भारतीय राजनीति की दिशा बदली, धार्मिक विमर्श के नए आयाम गढ़े, और इतिहास की धूल में दबे रामजन्मभूमि संघर्ष को राष्ट्रीय मंच दे दिया।

मतलब साफ है 6 दिसंबर कोई साधारण घटना मात्र नहीं है; यह सांस्कृतिक स्मृति, संघर्ष की ज्वाला और विजय की प्रस्तावना का वह दिन है जिसने भारतीय मानस की उन पीढ़ियों की तपस्या को उजागर किया, जो रामलला के लिए न्याय मांगते रहे। राम मंदिर आंदोलन किसी एक पार्टी, संगठन या दौर की देन नहीं था। यह आंदोलन कई दशकों की जनभावनाओं, साधु-संतों, इतिहासकारों, स्थानीय निवासियों और करोड़ों शीश झुकाते श्रद्धालुओं के समूहिक संघर्ष का परिणाम था। हजारों कारसेवकों ने वर्षों तक कार्यक्रमों में भाग लिया, कईयों ने अपनी जान गंवाई,सैकड़ों पर मुकदमे चले, हजारों परिवारों ने सामाजिक-राजनीतिक दबाव झेला, कई संतों ने जेल यात्राएं कीं इतिहास के पन्नों पर यह संघर्ष एक सांस्कृतिक पुनर्जागरण के रूप में दर्ज है। राम जन्मभूमि के लिए संघर्ष केवल एक मंदिर का संघर्ष नहीं था, यह सनातन पहचान, सांस्कृतिक अधिकार और ऐतिहासिक सत्य की पुनर्स्थापना का संघर्ष था। राम मंदिर का प्रश्न किसी अदालत या संसद में अचानक पैदा नहीं हुआ। यह शताब्दियों से भारतीय मन में अंकित एक तपःयात्रा थी, यह संघर्ष उस समय से शुरू हुआ जब मंदिर को ध्वस्त कर ढांचा बनाया गया। स्थानीय जनमानस से लेकर अखिल भारतीय धर्म संसदों तक, यह मुद्दा सदियों तक जलता रहा। महंत दिग्विजयनाथ, महंत अवैद्यनाथ, और बाद में अशोक सिंघल जैसे नेताओं ने इस आंदोलन को संगठित रूप दिया। लाखों कारसेवकों की आस्था, संतों की तपस्या और करोड़ों सनातनियों की भावना ने इस आंदोलन को जनांदोलन बनाया। यह संघर्ष किसी धर्म के विरुद्ध नहीं था, यह आस्था के प्राकृतिक अधिकार की पुनर्स्थापना की मांग थी। इसीलिए रामजन्मभूमि आंदोलन इतिहास में अध्यात्म और आंदोलन का सबसे अनोखा संगम बन गया।

6 दिसंबर 1992 की सुबह सामान्य थी, लेकिन वातावरण में एक गहरी बेचैनी थी, जैसे किसी लंबे प्रतीक्षा-चक्र का अंतिम पड़ाव सामने आ रहा हो। अयोध्या जैसे एक शहर में सामान्य दिवस की आहट थी। लेकिन सरयू तट पर उमड़ रहा जनसैलाब संकेत दे रहा था कि कुछ असाधारण होने वाला है। हजारों कारसेवक, देश के कोने-कोने से आए, तत्पर थे। वे अपने भीतर वर्षों का रोष और आस्था समेटे हुए थे। मंच पर नेताओं के भाषण जारी थे, लेकिन भीड़ का मन किसी और दिशा में बह रहा था। दोपहर ढले अचानक हालात बदले, जैसे-जैसे हजारों कारसेवक रामलला के दर्शन स्थल के पास पहुंचे, भीड़ का उबाल उस बिंदु पर पहुंचा जहां प्रतीकात्मक संघर्ष वास्तविक टकराव में बदल गया। सुरक्षा व्यवस्थाएं टूटने लगीं, पुलिस-व्यवस्था ढह गई, मंच से नेता नियंत्रण खो बैठे, नियंत्रण रेखाएं धुंधली होती गईं, लोग गुंबद की तरफ बढ़ने लगे, और कुछ ही घंटों में, वह विवादित ढांचा धूल में मिल चुका था। यह घटना, चाहे कोई समर्थन करे या विरोध, इतिहास में एक निश्चित मोड़ के रूप में दर्ज हो गई। कई लोगों के लिए यह सनातन अस्मिता की पहली प्रकट विजय का क्षण था, तो कईयों के लिए यह समाज के दो पाटों में उभरती खाई का दर्पण। लेकिन निर्विवाद रूप से, यह वह दिन था जिसने राम मंदिर मुद्दे को राजनीति की भीड़ से निकालकर राष्ट्र की स्मृति में स्थायी स्थान दिया। ऐसा इसलिए क्योंकि उस दिन जो हुआ, वह किसी चमत्कार से कम नहीं हैं. या यूं कहे भारतीय इतिहास में कुछ तिथियां केवल दर्ज नहीं होतीं, वे समय को चीरती हुई लोक-स्मृति में धधकते दीपक की तरह जलती रहती हैं।

6 दिसंबर 1992 ऐसी ही तारीख है, जहां आस्था का ज्वार, भीड़ की एकजुट ऊर्जा और दशकों से दबी भावनाओं का विस्फोट, एक साथ दिखा। लेकिन इस दिन जो कुछ हुआ, वह केवल राजनीतिक या सामाजिक दृष्टि से ही नहीं, व्यावहारिक, तकनीकी और मानवीय क्षमता के स्तर पर भी इस देश की सबसे रहस्यमय घटनाओं में से एक माना जाता है। सामान्य परिस्थितियों में जहां किसी छोटे सरकारी भवन, एक कमरे की दीवार या बहुमंजिली मार्केट को ध्वस्त करने में बुलडोजर, जेसीबी और भारी मशीनरी को पूरा दिन लग जाता है, वहां अयोध्या में फैली 2.77 एकड़ सीमा वाला मजबूत, पुख्ता ढांचा कुछ ही घंटों में मानो रेत के घरौंदे की तरह बिखर गया। यह संरचना वह थी जिसे आधिकारिक रिपोर्टों में दीर्घकालिक, बहुस्तरीय और अत्यंत सुदृढ़ बताया गया था। तकनीकी विशेषज्ञों की रिपोर्टों के अनुसार, ऐसे निर्माण को गिराने के लिए, भारी क्रेन, मलबा ढोने वाले ट्रक, बड़े हथौड़े, और घंटों समन्वित तकनीकी कार्य आवश्यक होता है। लेकिन 6 दिसंबर की दोपहर में यह तमाम गणित ध्वस्त हो गया। न कोई मशीन, न कोई आधिकारिक उपकरण, सिर्फ इंसानी हाथ, रस्सियाँ और लोहे की रॉडें। और उसी से वह ढांचा ढह गया जिसे सामान्य स्थितियों में गिराना एक सैन्य-स्तरीय ऑपरेशन माना जाता। और इससे भी बड़ा प्रश्न था, मलबे का। इतिहासकारों और जांच आयोगों की रिपोर्टों के अनुसार, जिस संरचना के गिरने से लाखों टन मलबा निकलना चाहिए था, वह दृश्य रूप में उतनी मात्रा में कभी दिखाई ही नहीं दिया। सूर्यास्त तक विवादित ढांचा परिसर लगभग समतल हो चुका था, इतना कि मीडिया टीम, प्रशासनिक अधिकारी और बाद की जांच टीम यही पूछती रह गईः इतनी भारी संरचना का मलबा कुछ घंटों में कैसे और कहाँ गया? क्या भीड़ इतने बड़े पैमाने पर मलबा उठा सकती थी? या यह आस्था का वह उफान था जो भौतिक व्याख्याओं को भी चुनौती देता है?

अनुभवी पुलिस अधिकारियों ने भी स्वीकार किया कि इतनी विशाल भीड़ का एक साथ, बिना किसी बड़े केंद्रीय नेतृत्व के, एक ऐसे संवेदनशील ढांचे को गिराना, सामान्य मानवीय अनुमान से बहुत ऊपर था। कई विशेषज्ञ इसे समन्वित जन-ऊर्जा कहते हैं, तो कुछ इसे भावनात्मक विस्फोट की चरम स्थिति मानते हैं। वहीं अनेक साधु-संत इसे आस्था का अभूतपूर्व चमत्कार कहकर वर्णित करते हैं। मतलब साफ है 6 दिसंबर का घटनाक्रम आज भी विशेषज्ञों, प्रशासनिक अभिलेखों और सामाजिक विश्लेषकों के लिए एक रहस्य की तरह खड़ा है। यह घटना आज भी अनुमान, शोध और बहस का विषय इसलिए बनी हुई है क्योंकि यह केवल ढांचा-ध्वंस नहीं था, यह लाखों लोगों की साझा चेतना का एक ऐसा उभार था, जो सामान्य गणना से परे था। यही कारण है कि 6 दिसंबर को अनेक लोग केवल इतिहास नहीं मानते, उसे अनुभूत ऊर्जा का अप्रत्याशित क्षण कहते हैं, जिसे शब्दों में बांधना आज भी आसान नहीं। वस्तुतः 6 दिसंबर कोई साधारण विध्वंस का दिन नहीं था; वह सदियों के संघर्ष, दबी वेदना और न्याय की प्रतीक्षा का विस्फोटक क्षण था, जब लाखों लोग स्वयं को इतिहास के निर्णायक मोड़ पर खड़ा महसूस कर रहे थे। आज, जब उसी स्थान पर भव्य श्रीराम जन्मभूमि मंदिर तिरंगा की तरह ऊँचा उठ रहा है, तब 6 दिसंबर के उस अनोखे, अनलिखे, अप्रत्याशित और अकल्पनीय क्षण को नए अर्थों में समझा जाने लगा है। कई लोग इसे विजय-स्मृति दिवस कहते हैं, क्योंकि उस दिन एक विवाद का अंत नहीं, बल्कि एक युग का आरंभ हुआ था।

क्या यह विजय थी? संघर्ष का अंत या शुरूआत? यही सवाल आज भी बहस के केंद्र में है, क्या 6 दिसंबर को सनातनियों का विजय पर्वह्व कहा जा सकता है? वास्तविक सत्य यह है कि 6 दिसंबर विजय का अंतिम बिंदु नहीं, बल्कि विजय की दृश्य शुरूआत था। संघर्ष अभी जारी था, मुकदमे दर्ज हुए, आयोग बने, राजनीतिक विमर्श तेज हुआ, अदालतों में सुनवाई शुरू हुई, 6 दिसंबर ने केवल मार्ग खोला, मंजिल 27 वर्ष बाद मिली, जब 9 नवंबर 2019 को सुप्रीम कोर्ट ने राम जन्मभूमि के पक्ष में ऐतिहासिक निर्णय सुनाया। और अंतिम, सच्ची विजय तब हुई, जब 22 जनवरी 2024 को रामलला अपने नवीन दिव्य मंदिर में स्थापित हुए। इसलिए 6 दिसंबर को विजय पर्व कहना संघर्ष के अंतिम अर्थ को कम करना होगा। लेकिन इसे संघर्ष-विजय दिवस या सांस्कृतिक पुनर्जागरण का उद्गम दिवस कहना अधिक समीचीन है। राम मंदिर केवल स्थापत्य का चमत्कार नहीं है। यह उन अनाम और ज्ञात दोनों कारसेवकों की स्मृति भी है, जिन्होंने आंदोलन में जान गंवाई, जिन पर मुकदमे चले, जिन्होंने जेलें देखीं, जिन्होंने अपने व्यवसाय, करियर, सामाजिक प्रतिष्ठा दांव पर लगा दी, जिन परिवारों ने वर्षों तक संघर्ष सहा और जिन संतों ने जीवन भर रामलला के लिए तप किया. मतलब साफ है अयोध्या का भव्य मंदिर इन कुर्बानियों का जीवंत स्मारक है। इसलिए यह कहना अनुचित नहीं होगा राम मंदिर केवल पत्थरों से नहीं बना, यह खून, आंसू, तपस्या, संकल्प और आस्था की संजीवनी से बना है।

6 दिसंबर 2025ः अलर्ट, सुरक्षा और संवेदनशीलता

तमाम वर्षों बाद भी 6 दिसंबर का महत्व कम नहीं हुआ है। आज भी सुरक्षा एजेंसियाँ इस दिन विशेष सतर्कता बरतती हैं। केंद्र और राज्यों में हाई अलर्ट, अयोध्या, मथुरा, काशी, दिल्ली जैसे शहरों में विशेष इनपुट, ड्रोन सर्विलांस, सोशल मीडिया मॉनिटरिंग, पुलिस पिकेट बढ़ाए गए, संवेदनशील इलाकों में नाइट विजन कैमरे, रूसी राष्ट्रपति पुतिन की यात्रा, संसद हमले की बरसी, और स्थानीय संवेदनशील परिसरों के कारण इस बार सतर्कता और भी बढ़ाई गई है। अयोध्या में तीन स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था है, बाहरी घेरा, मध्यम घेरा और गर्भगृह के आसपास का भीतरी सुरक्षा कवच। यह बताता है कि 6 दिसंबर अभी भी राष्ट्रीय चेतना की स्पंदनशील तारीख है।

भव्य मंदिरः संघर्ष की कथा का दिव्य रूपांतरण

आज जब अयोध्या में 161 फीट ऊँचा विशाल मंदिर खड़ा है, तो लगता है मानो सदियों का संघर्ष पत्थरों में बदलकर बोल उठा हो। मंदिर का स्थापत्य नागरा शैली का दिव्य प्रारूप लिए कला और आध्यात्मिकता का अद्भुत संगम है। रामलला का नवीन विग्रह, सोने के सिंहासन, 72 फुट लंबे स्तंभों के बीच झांकती दिव्यता, यह सब बताता है कि इतिहास कभी-कभी न्याय के स्वरूप में पुनः अवतरित होता है। यह मंदिर केवल धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की प्रत्यक्ष अनुभूति है।

6 दिसंबर का भविष्यः स्मृति, सावधानी और संतुलन का सूत्र

भविष्य में 6 दिसंबर को तीन अर्थों में याद किया जाएगा, 1. संघर्ष और तपस्या की स्मृति के रूप में क्योंकि यह वह दिन था जिसने इतिहास का रुख बदल दिया। 2. सामाजिक सावधानी और सामंजस्य के प्रतीक के रूप में क्योंकि इस घटना के बाद देश ने कई दंगे, कई घाव और कई सीखें देखीं। 3. सांस्कृतिक जागरण के दिवस के रूप में क्योंकि इस तारीख ने राम मंदिर आंदोलन को निर्णायक मोड़ दिया। ऐसे में बड़ा सवाल तो यही है क्या 6 दिसंबर को सनातनियों का विजय पर्व कहा जा सकता है? पूरी विजय नहीं, लेकिन विजय की पहली ज्योति अवश्य। यह वह दिन है जब संघर्ष की ज्वाला ने भव्य मंदिर का मार्ग प्रज्वलित किया। यह वह दिन है जिसने इतिहास को नई दिशा दी, राष्ट्रीय चेतना को हिलाकर जगाया, और करोड़ों श्रद्धालुओं के हृदय में छिपी उस पीड़ा को स्वर दिया जो सदियों से अनसुनी थी। 6 दिसंबर संघर्ष की विजय का उद्गम है, वह दिन, जिसकी कुर्बानियों ने अयोध्या में खड़े भव्य राम मंदिर की नींव रखी।

1992 से 2019 तकः विवाद, अदालत, न्याय, मंदिर

विवादित जमीन पर लंबी सुनवाई और हिंसक घटनाओं के बाद, सुप्रीम कोर्ट आफ इंडिया ने नवंबर 2019 में फैसला सुनाया, विवादित स्थल पर मंदिर बनाना जायज है। उसके बाद शुरू हुआ भव्य मंदिर निर्माण, जो 2024ः 25 में प्रगति की चरम सीमा पर है। लेकिन बाबरी का मुद्दा सिर्फ अदालत या निर्माण तक सीमित नहीं रहा, यह भारत की सामाजिक स्मृति, राजनीतिक रुझान, लोक-भावनाओं और धार्मिक पहचान का प्रतीक बन गया। 6 दिसंबर की घटना के बाद भारत की राजनीति जिस तेजी से बदली, उसकी मिसाल स्वतंत्रता-उत्तर भारत के इतिहास में कम मिलती है। राममंदिर आंदोलन राष्ट्रीय राजनीति के केंद्र में आ गया। वोटिंग पैटर्न बदले। क्षेत्रीय दलों के समीकरण बदले। और देश भर में पहचान आधारित राजनीति ने नया आयाम लिया। दंगे, तनाव, कर्फ्यू, इन सबने देश को लंबे समय तक अस्थिर रखा। समाज में अविश्वास की खाई गहरी हुई। पत्रकारिता और न्यायपालिका दोनों नए दबावों से गुजरे। आखिरकार नवंबर 2019 में सर्वोच्च न्यायालय ने विस्तृत ऐतिहासिक, पुरातात्विक, राजनैतिक और कानूनी विश्लेषण के बाद यह कहा कि विवादित स्थल पर रामलला की प्राचीन उपस्थिति के प्रमाण पर्याप्त हैं। मुस्लिम पक्ष को पाँच एकड़ में वैकल्पिक भूखंड दिया जाए। यह फैसला भारतीय न्यायिक इतिहास में एक युगांतकारी क्षण के रूप में दर्ज हुआ।

आज का अयोध्याः नया अध्याय,

नया नगर, नई आकांक्षाएं

आज का अयोध्या 1992 का अयोध्या नहीं है। नगर का पुनर्विकास अभूतपूर्व गति से चल रहा है। 125 मीटर ऊँचा राममंदिर आधुनिक तकनीक, पारंपरिक वास्तुकला और विशाल परिसर के साथ आकार ले चुका है। अयोध्या का नया स्वरूप, चैड़ी सड़कें, विश्वस्तरीय रेलमार्ग और नया हवाईअड्डा, हजारों करोड़ के पर्यटन प्रोजेक्ट, सरयू नदी तट का अभूतपूर्व सौंदर्य, धर्मिक पर्यटन की नई परिभाषा. अयोध्या अब केवल आस्था का शहर नहीं, बल्कि वैश्विक सांस्कृतिक और आध्यात्मिक केंद्र के रूप में उभर रहा है. मतलब साफ है 6 दिसंबर 1992 का दिन चाहे जैसी स्मृति छोड़ गया हो, पर उसका अंतिम पड़ाव आज शांति, पुनर्निर्माण और सभ्यतागत पुनर्जागरण के रूप में सामने है।

पंजाब में आम आदमी पार्टी का चार वर्षों का सफर..

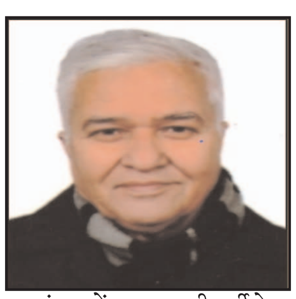

पंजाब में आम आदमी पार्टी के 4 वर्ष पूरे होने पर पार्टी की तरफ से अलग-अलग क्षेत्रों में अपनी उपलब्धियों के दावे किए जा रहे है। उसके बारे में गंभीरता से विस्तार में जानने की जरुरत है। पहले देखना होगा आम आदमी पार्टी ने जो अपने घोषणा पत्र में वादे किए थे, उसमें कितने पूरे किए। बताई गई इन उपलब्धियों के बारे में अकाली दल बादल के नेता सुखबीर सिंह बादल का कहना है कि सरकार की तरफ से किए गए दावे खोखले है, वास्तविकता यह है कि आम आदमी पार्टी की सरकार पंजाब के लिए निकम्मी एवं असफल सरकार साबित हुई है। उन्होंने सरकारी तंत्र के पूरी तरह से सुस्त हो जाने की बात कही। परंतु इसके साथ यह बात याद रखने वाली है कि पूर्व विधान सभा चुनावों में अकाली-भाजपा और कांग्रेस पार्टी से निराश होकर लोगों ने एक नया विकल्प ढूंढते हुए आम आदमी पार्टी को घोर समर्थन दिया था । लोगों ने आम आदमी पार्टी को 92 सीटों पर जितवा कर अकाली दल और कांग्रेस पार्टी के बड़े-बड़े नेताओं को धूल चटा दी थी। लोगों को उम्मीद थी कि परिवर्तन उनकी जिंदगी में नई बहार बनकर आएगा। लेकिन लोगों ने जो भारी उम्मीदें आम आदमी पार्टी से लगाई थी, वह धीरे-धीरे बिखरने लगी। 4 वर्षों में धरातल पर कुछ भी नया नहीं हुआ। लोगों की उम्मीदें पूरी नहीं हुई।

जहां तक राज्य की आर्थिक स्थिति का प्रश्न है यह पहले से भी अधिक बीमार और दयनीय हो चुकी है। सूत्रों से पता चला है कि आम आदमी पार्टी ने इतना ऋण लिया है कि पंजाब का प्रत्येक व्यक्ति 1,17800 रुपए का कर्जदार हो चुका है। पंजाब जैसे छोटे राज्य पर इतना कर्ज चढ़ चुका है कि जिसका बोझ सहन करना इसके लिए मुश्किल दिखाई देता है, क्योंकि इसकी अपनी आमदनी ब्याज चुकाने पर समाप्त हो रही है। चचाओं में तो यह भी है कि अकाली भाजपा के 10 वर्ष के शासन काल और कांग्रेस के 5 वर्ष के शासन काल में उतना ऋण नहीं लिया गया, जितना ऋण आम आदमी पार्टी ने 4 वर्षों में लिया है। राज्य में बढ़ते नशे को रोकने के लिए न तो पूर्व सरकारों ने कोई ठोस कदम उठाए है ना ही आम आदमी पार्टी ने। आम आदमी पार्टी के नशे खिलाफ छेड़े गए अभियान में बड़ी-बड़ी बातें कही जा रही है, लेकिन पंजाब में रोजाना नशे से सैकड़ों लोग मारे जा रहे हैं। वहीं कांग्रेसी नेताओं का आरोप है कि पुलिस की छत्र-छाया में गांव-गांव शहर-शहर नशा बेचा जा रहा है। अब नशे की आग पुलिस अफसरों के घरों तक पहुंच रही है जो सरेआम नशे के गोरख धंधे में लगे हुए थे। नशे का व्यापार अकाली-भाजपा सरकार के साथ-साथ कांग्रेस में भी होता रहा है,आम आदमी पार्टी के कई विधायक भी नशे के धंधे में लगे हुए है।

आज पंजाब का युवा वर्ग तरह-तरह के नशे से युक्त है। वहीं निचले स्तर से लेकर उच्च स्तर तक बने नशा व्यापारियों के गठबंधन को सरकार समाप्त करने में सफल नहीं हो रही। पिछले दिनों पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा था कि राज्य में किसी माफिया को पनपने नहीं दिया जाऐगा, लेकिन बड़े अफसोस से कहना पड़ता है कि आज मुख्यमंत्री के रिश्तेदार अवैध माईनिंग में लगे हुए है। मुख्यमंत्री ने अपने चार वर्षों के समय में हजारों लोगों को नौकरियां देने की बात की है। उसमें वह कितने सच्चे है एवं कितने झूठे है, यह पंजाब वासियों को सब पता है। सूत्रों से पता चला है कि पंजाब सरकार ने जो युवाओं को नौकरियां दी है, उनमें से 37.4 फीसदी दिल्ली एवं हरियाणा के लोग है। बेरोजगारों को नौकरी और बेरोजगारी भत्ता देना तथा स्मार्ट फोन की बात करना अब दूर की बातें नजर आने लगी है।

पंजाब के मुख्यमंत्री ने पंजाब के उद्योगतियों से सस्ते भाव में बिजली देने का जो वादा किया था वह पूरी तरह से फ्लाप होता नजर आ रहा है। रेत-बजरी का काला धंधा भी पहले की तरह चल रहा है। इसके साथ कर्मचारी भी पंजाब सरकार से संतुष्ट नहीं है, वहीं मुख्यमंत्री जो कहा करते थे कि अब कर्मचारियों को सड़कों पर नहीं उतरना पड़ेगा, आज कर्मचारियों को पक्का करने के लिए वित्तीय संकट की बातें कर रहे है। कर्मचारियों का डीए रिलीज नहीं किया जा रहा है। किसान भी आज सड़कों पर है। उनके ऋण माफ नहीं किए जा रहे। बुढ़ापा पेंशन बढ़ जाने की बातें ठंडे बस्तों में डाल दी गई है।

पंजाब की सड़कों का बुरा हाल है, किसानों को समय पर खाद नहीं मिल रही, बाढ़ पीड़ितों को अभी तक मुआवजा नहीं मिल पाया है। महिलाओं को 1000 रुपए प्रति माह देने का फैसला भी मान सरकार पर भारी पड़ सकता है। 4 वर्ष बीत जाने के पश्चात अभी तक मान सरकार अपने घोषणा पत्र को पूरा नहीं कर पाई। भ्रष्टाचार के बारे में जीरो टालरैंस की बातें करने वाली सरकार आज भ्रष्टाचारियों को बचाने में लगी है। मान सरकार की करनी और कथनी में बड़ा अंतर है। पंजाब में 12 मेडिकल कालेज खोलने का वादा हवा-हवाई होता जा रहा है। लोग अपने आप को ठगा महसूस कर रहे है। ऐसे में जब चुनाव नजदीक हों, तो आम आदमी पार्टी की तरफ से किए गए वादों को देखना बनता है, क्योंकि अब बचे समय में शेष वादों को पूरा करने के लिए एक ऐसा लंबा और कठिन रास्ता तय करना होगा, जो पंजाबी लोगों में पैदा हुई नाउम्मीदी को उम्मीद में बदल सके। (विनायक फीचर्स)

जनीति का नैतिक अवसान, लोकतंत्र के भविष्य को खतरा

महात्मा गांधी का अमर वाक्य आज भारतीय लोकतंत्र की वास्तविक त्रासदी पर सीधा प्रहार करता है सिद्धांतों के बिना राजनीति पाप है ।कभी राजनीति जनसेवा का श्रेष्ठ मार्ग थी, यह मार्ग त्याग, तपस्या, साधना और राष्ट्रहित की भावना से निर्मित था, जहाँ राजनेता स्वयं को राष्ट्र के सेवक के रूप में देखते थे, न कि सत्ता के स्वामी के रूप में। किंतु समय का चक्र बदला और आज राजनीति का चरित्र भयावह रूप से परिवर्तित हो गया है। आधुनिक राजनीति का सबसे बड़ा संकट यही है कि इससे नैतिकता, सदाचार और आदर्श लगभग विलुप्त होते जा रहे हैं और सत्ता का लोभ, पद का प्रलोभन तथा सिद्धांतहीनता इसका मुख्य आधार बनते जा रहे हैं। स्वतंत्रता आंदोलन के समय राजनीतिक नेतृत्व राष्ट्र के प्रति समर्पित था, वह त्याग और सत्याग्रह की शक्ति से समृद्ध था। महात्मा गांधी की अहिंसा, स्वामी विवेकानंद का राष्ट्रधर्म, नेताजी सुभाष चंद्र बोस की क्रांति चेतना, सरदार वल्लभभाई पटेल की संगठन शक्ति, लाल बहादुर शास्त्री की सादगी, जवाहरलाल नेहरू की वैचारिक प्रतिबद्धता, डॉ. राजेंद्र प्रसाद और डॉक्टर भीमराव अंबेडकर का संविधान निर्माण ये सभी राजनीतिक आदर्श नैतिकता की ऊष्मा से प्रेरित थे। उस समय राजनीति में प्रवेश एक तपस्वी जीवन था, सत्ता नहीं सेवा थी, लाभ नहीं, त्याग था, प्रतिष्ठा नहीं, जिम्मेदारी थी। किंतु स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद राजनीति की दिशा धीरे-धीरे बदलती गई। जब लोकतंत्र में सत्ता की शक्ति का विस्तार हुआ, तब नैतिकता का पतन भी उसी गति से आरंभ हुआ। राजनीति सत्ता प्राप्ति का खेल बन गई और पद प्राप्त करने की होड़ नैतिकता, सिद्धांत और मानवीय मूल्यों पर भारी पड़ने लगी। आज स्थिति यह है कि राजनीति में प्रवेश का प्रमुख आधार धनबल, बाहुबल और धोखाधड़ी की शक्ति बन गया है। अनेक जनप्रतिनिधियों पर गंभीर अपराध के मामले दर्ज हैं, फिर भी वे संसद और विधानसभाओं की कुर्सियाँ सजाते हैं। सार्वजनिक संपत्ति को लूटने और रिश्वतखोरी के अपराधों में संलिप्त अनेक नेताओं की लंबी सूची है, जिन पर आरोप सिद्ध होने के बावजूद वे शासन-प्रशासन के निर्णायक पदों पर बैठे रहते हैं। यह राजनीति का सबसे बड़ा पतन है कि जिस शक्ति का उद्देश्य राष्ट्रनिर्माण था, वह व्यक्तिगत लाभ का साधन बन चुकी है। राजनीति आज चरित्रहीनता का उच्चतम उदाहरण प्रस्तुत कर रही है जहाँ भाईझ्रभतीजावाद, परिवारवाद और पदों का व्यापार खुलकर सामने आता है। योग्य व्यक्ति अवसर से वंचित हो जाता है और अयोग्य सत्ता के केंद्र में पहुँच जाता है। कई राजनीतिक परिवारों में टिकट क्षमता से नहीं, बल्कि रक्त संबंध और वित्तीय शक्ति के आधार पर दिए जाते हैं। यह वह समय है जहाँ अपराधी चरित्र के व्यक्तियों को सुरक्षा, समर्थन और संरक्षण राजनीति के माध्यम से प्राप्त होता है। उद्योगपतियों और राजनीतिज्ञों का गठजोड़– जिसे क्रोनी कैपिटलिज्म कहा जाता है– लोकतंत्र को सबसे अधिक क्षतिग्रस्त कर रहा है।

सरकार के फैसले के खिलाफ अध्यापकों ने स्कूल बंद करने के बजाय काला फीता बांधकर जताया विरोध

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र राज्य के निजी अनुदानित, अंशतः अनुमानित और बिना अनुदानित स्कूलों के प्रिंसिपल, टीचर और शिक्षकेत्तर कर्मचारियों ने स्कूलों की ग्रुप मान्यता और टीईटी परीक्षा के संबंध में शिक्षा विभाग के फैसले के खिलाफ 5 दिसंबर को स्कूल बंद का विरोध प्रदर्शन के लिए आंदोलन का निर्णय लिया था। इस विरोध प्रदर्शन की घोषणा से छात्रों को पढ़ाई का नुकसान न हो इसलिए पुणे डायरेक्टरेट ऑफ सेकेंडरी एंड हायर सेकेंडरी ने चेतावनी दी थी कि अगर प्रिंसिपल और नॉन-टीचिंग स्टाफ ने स्कूल बंद का विरोध प्रदर्शन किया तो उनकी एक दिन की सैलरी काट ली जाएगी। जिसके बाद राज्य के कई स्कूलों के टीचरों ने स्कूल बंद के विरोध प्रदर्शन से हटकर सरकार का विरोध करने के लिए काला फीता बांधकर विरोध जताया। शिक्षण क्रांति संगठन के राज्य अध्यक्ष सुधीर देवराम घागस के नेतृत्व में पद्मश्री अन्नासाहेब जाधव विद्यालय और जूनियर कॉलेज के अध्यापकों ने स्कूल शुरू होने के दौरान काला फीता बांधकर विरोध प्रदर्शन में भाग लिया और सरकार के फैसले का विरोध किया।

नौकानयन व सागरी इंजिन प्रशिक्षण के लिए आवेदन आमंत्रित

पालघर(उत्तरशक्ति)। राज्य सरकार के मत्स्य विभाग के अधीन संचालित मत्स्यव्यवसाय प्रशिक्षण केंद्र, सातपाटी में सागरी मत्स्य व्यवसाय से जुड़े नौकानयन (रींल्लर्रेस्र) तथा सागरी इंजिन रखरखाव एवं परिचालन संबंधी प्रशिक्षण के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। यह प्रशिक्षण 6 माह अवधि का होगा। प्रशिक्षण सत्र 1 जनवरी 2026 से 30 जून 2026 तक चलेगा। इच्छुक अभ्यर्थी अपना आवेदन पत्र कार्यालय समय में, सार्वजनिक अवकाश को छोड़कर, मत्स्यव्यवसाय प्रशिक्षण अधिकारी कार्यालय सातपाटी से प्राप्त कर सकते हैं। परिपूर्ण आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 30 दिसंबर 2025 निर्धारित की गई है। इस प्रशिक्षण वर्ग में कुल 22 विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जायेगा। प्रशिक्षण शुल्क गरीबी रेखा के नीचे विद्यार्थियों के लिए 100 प्रतिमाह तथा गरीबी रेखा के ऊपर विद्यार्थियों के लिए 450 प्रतिमाह निर्धारित किया गया है। आवश्यक पात्रता हेतु आयु 18 से 35 वर्ष के बीच हो, न्यूनतम चौथी कक्षा उत्तीर्ण, तैरना अनिवार्य, सक्रिय मछुआरे होना चाहिए, कम से कम एक वर्ष का मत्स्य व्यवसाय का अनुभव निर्धारित किया गया है। प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण करने के बाद रोजगार व स्वयंरोजगार के अवसर उपलब्ध होते हैं। अधिक जानकारी व प्रवेश आवेदन हेतु ज्ञानेश्वर भोसले, यांत्रिकी निर्देशक के संपर्क नं. 8624919113 तथा कृणाली तांडेल, मत्स्यव्यवसाय प्रशिक्षण अधिकारी के संपर्क नं. 9158037132 पर संपर्क करें। मछुआरा समुदाय से जुड़े इच्छुक युवक इस अवसर का लाभ अवश्य उठायें।

ऑल-न्यू किआ सेल्टोस की पहली झलक जारी

मुंबई। किआ इंडिया ने आज ऑल-न्यू किआ सेल्टोस का पहला टीजर जारी किया, जिसमें भारत की सबसे पसंद की जाने वाली मिड-एसयूवी के अगले अवतार की रोमांचक झलक दिखाई गई है। इसका वर्ल्ड प्रीमियर इसी महीने आयोजित होगा। टीजर में एसयूवी का और अधिक शार्प, प्रीमियम और दमदार डिजाइन दिखाई देता है, जो सेल्टोस के प्रतिष्ठित सिल्हूट को एक आधुनिक और अधिक स्टाइलिश पहचान में पेश करता है। 2019 में लॉन्च होने के बाद से सेल्टोस लगातार ग्राहकों की पहली पसंद रही है, और अब इसे पूरी तरह से दोबारा डिजाइन किया गया है ताकि किआ भारत के तेजी से विकसित होते मिड-एसयूवी सेगमेंट में अपनी स्थिति और मजबूत कर सके।

किआ की ओपोजिट्स यूनाइटेड डिजाइन फिलॉसफी पर आधारित, ऑल-न्यू सेल्टोस को हर पहलू में ग्राहक को केंद्र में रखते हुए विकसित किया गया है। इसका डिजाइन पारंपरिक एसयूवी की मजबूत अपील और किआ के आधुनिक, हाई-टेक डिजाइन तत्वों को साथ लाता है। नए प्रपोर्शन्स, तेज लाइनों और दमदार स्टांस के साथ यह एसयूवी खास तौर पर आधुनिक भारतीय उपभोक्ताओं की जीवनशैली और अपेक्षाओं के अनुरूप तैयार की गई है। इसका डिजाइन पारंपरिक एसयूवी की दमदार विरासत को किआ की नवीनतम तकनीकी इनोवेशन की स्लीक और एयरोडायनामिक शैली से सहज रूप से जोड़ता है—जिसका उद्देश्य भारत के समझदार और आधुनिक ड्राइवरों के लिए एक प्रीमियम और भविष्य-उन्मुख अनुभव प्रस्तुत करना है। नई किआ सेल्टोस में दमदार बॉडी प्रपोर्शन्स, आकर्षक क्लैडिंग और साफ तथा सटीक सतह डिजाइन दिया गया है, जो इसके लुक में आत्मविश्वास और चुस्ती का एहसास कराता है। फ्रंट में नया किआ डिजिटल टाइगर फेस ग्रिल और स्टार मैप लाइटिंग इसे एक आधुनिक और फ्यूचरिस्टिक पहचान देते हैं, जिसका डिजाइन फ्रंट और रियर प्रोफाइल में खूबसूरती से मेल खाता है।

जोगेश्वरी में अंतरराष्ट्रीय स्वयंसेवक दिवस पर नि:शुल्क चश्मा वितरण, 311 जरूरतमंद लाभान्वित

मुंबई। अंतरराष्ट्रीय स्वयंसेवक दिवस के अवसर पर गैर सरकारी संस्था सत्यवादी व ईगल एजुकेशन ट्रस्ट की ओर से शुक्रवार को जोगेश्वरी (पश्चिम) के हरियाणा बस्ती रोड स्थित शिव मंदिर के पास निःशुल्क चश्मा वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस सेवा कार्य से 311 से अधिक जरूरतमंद लाभान्वित हुए। सत्यवादी के चेयरमैन व भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा, महाराष्ट्र के उपाध्यक्ष एस.एम. खान ने बताया कि संस्था द्वारा पिछले 12 वर्षों से लगातार यह सामाजिक सेवा कार्य किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि आज के शिविर में अनुभवी डॉक्टरों की टीम ने आंखों की जांच कर 311 जरूरतमंदों को चश्मे वितरित किए। जांच और वितरण कार्य में आई हॉस्पिटल बसई की डॉक्टर आलिया शेख और उनके सहयोगी विनीत विश्वकर्मा ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम के सफल आयोजन में भाजपा समर्थनगर मंडल के अध्यक्ष विजय पाठक, महामंत्री जगदीश शर्मा, पंकज शर्मा, माहेलका बानो, इस्माईल शेख, जनतूनिशा, नशरीन शेख, सायरा शाह, शायरा शेख, सरिता ढगे, सत्यवादी कार्यालय सचिव अनुराधा बाविस्कर, निशा गुप्ता, निशा राठोड, सबीना शेख एवं कावेरी मित्रा सहित कई स्वयंसेवकों ने सराहनीय योगदान दिया।

बोईसर में ईपीएफओ से जुड़ी नई जानकारियों हेतु विशेष सत्र का हुआ आयोजन

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। गुरुवार 4 दिसंबर को बोईसर के टीमा हॉल में ईपीएफओ से सम्बन्धित नवीनतम प्रावधानों और बदलावों पर एक अत्यंत महत्वपूर्ण, उपयोगी एवं जानकारीपूर्ण सत्र आयोजित किया गया।

यह सत्र सरकार द्वारा लागू किए गए नए सुधारित नियमों पर केंद्रित रहा। इस अवसर पर ईपीएफओ की टीम विशेष रूप से मुंबई से आकर उपस्थित रही और सभी प्रतिभागियों को मार्गदर्शन प्रदान किया। टीमा द्वारा पूरे सत्र का सुव्यवस्थित और उत्कृष्ट आयोजन किया गया, जिसके कारण कार्यक्रम के दौरान प्रभावी समन्वय बना रहा। इस सत्र का सबसे उल्लेखनीय पहलू रहा प्रतिभागियों की व्यापक उपस्थिति रही। लगभग 210 से 220 प्रतिनिधियों ने इसमें भाग लिया, जिनमें विभिन्न कंपनियों के मानव संसाधन विभागों के प्रमुख और सदस्य शामिल थे। सभी प्रतिभागियों ने सत्र में सक्रिय रुचि दिखाई और इसे अत्यंत सफल बनाया।

सत्र की शुरूआत निंगशेन थोथर, क्षेत्रीय पी.एफ. कमिश्नर-क् आर.ओ. चारकोप द्वारा की गई। उन्होंने ईपीएफओ योजना के महत्व के बारे में विस्तार से बताया और कंपनियों को इससे होने वाले लाभों को स्पष्ट किया। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि बहुत जल्द एक नई सुविधा शुरू की जायेगी, जिसके अंतर्गत हर महीने पालघर जिले के लिए जिम्मेदार एक वरिष्ठ ईपीएफओ अधिकारी टीमा कार्यालय आयेंगे, जहाँ उद्योग प्रतिनिधि सीधे अपनी समस्याएँ रख सकेंगे। टीमा द्वारा सभी कंपनियों को इस व्यवस्था की

जानकारी समय पर उपलब्ध कराई जायेगी। इसके बाद मधु श्याम आर्य, क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त-क् क्षेत्रीय कार्यालय ठाणे, मुंबई-क्क ने उद्योगों को प्रभावित करने वाली विभिन्न ईपीएफओ संबंधित चुनौतियों पर विस्तृत चर्चा की। वे अत्यंत सहयोगी और खुले विचारों वाले रहे। उन्होंने सभी की समस्याएँ धैर्यपूर्वक सुनीं और आश्वस्त किया कि ईपीएफओ की ओर से प्रत्येक कंपनी को हर सम्भव मार्गदर्शन और समर्थन प्रदान किया जाएगा।

ईएसआईसी की ओर से शाखा प्रबन्धक नितिन नेवालकर ने सत्र में भाग लेकर यह स्पष्ट किया कि ईएसआईसी अब अधिक सक्रियता के साथ कार्य कर रहा है। उन्होंने आश्वासन दिया कि आवश्यक सुधारों को प्राथमिकता दी जाएगी और ईएसआईसी से जुड़े सभी उद्योगों को बेहतर और समयबद्ध सहायता प्रदान की जायेगी। सहायक श्रम आयुक्त, दिनेश दभाड़े ने भी कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। उन्होंने उपस्थित प्रतिभागियों को महत्वपूर्ण मार्गदर्शन दिया और योजना को सफल बनाने में सहयोग प्रदान किया। टीमा के अध्यक्ष डी.के. राऊत ने अपने सम्बोधन में ईपीएफओ और उद्योगों के बीच मजबूत और सकारात्मक तालमेल की आवश्यकता पर विशेष जोर दिया। उन्होंने यह भी बताया कि ईएसआईसी के तहत सभी श्रमिक, यहाँ तक कि जूनियर स्टाफ भी, कवर होते हैं, इसलिए समय पर सहयोग और सहायता मिलना अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने सभी पक्षों से त्वरित प्रतिक्रिया और सहयोग की अपेक्षा व्यक्त की, जिससे उद्योगों से जुड़ी विभिन्न समस्याओं को शीघ्रता से हल किया जा सके। उनके विचारों की उपस्थित सभी लोगों ने सराहना की और ईपीएफओ व ईएसआईसी के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी इस दिशा में बेहतर तालमेल बनाए रखने पर सहमति जताई।इस चर्चा सत्र के दौरान ईपीएफओ टीम के प्रवर्तन अधिकारी नीलेश पलंदे और वैभव मेश्राम ने हाल ही में लागू किए गए बदलावों को विस्तारपूर्वक समझाया। कंप्यूटरीकृत प्रणाली का प्रदर्शन भी किया गया।

घर घर स्वच्छता अभियान के अन्तर्गत मुफ्त डस्टबिन का वितरण

मुंबई (उत्तरशक्ति)। स्वच्छता ही सभ्यता का अलंकरण है। इस सुविचार को ध्यान में रखते हुए अंधेरी विधानसभा वार्ड ७९ में मुंबई भाजपा सचिव अजय तिवारी और अजय चेरिटेबल ट्रस्ट की सचिव बीनू अजय तिवारी द्वारा घर घर स्वक्षता अभियान के अंतर्गत मुफ्त डस्टबिन वितरण कार्यक्रम किया गया। इस आयोजन में वार्ड ७९ के सभी बूथ प्रमुख अजय चेरिटेबल ट्रस्ट के सभी सदस्य , कोर टीम के सदस्य मौजूद उपस्थित थे। बता दें कि इस आयोजन का मकसद लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना था । वहीं बीनू अजय तिवारी का कहना था कि एक महिला ही साफ सफाई के महत्व को समझ सकती है। इस परिप्रेक्ष्य को ध्यान में रखते मैने यह आयोजन किया है।

कुपोषण उन्मूलन एवं मातृ-शिशु पोषण सुधार के लिए उन्नत प्रशिक्षण कार्यशाला

लाभार्थियों तक योजनाओं की समय पर पहुँच सर्वोच्च प्राथमिकता : सी.ई.ओ. मनोज रानडे

पालघर(उत्तरशक्ति)। पालघर जिला परिषद के जननायक बिरसा मुंडा सभागृह में शुक्रवार 5 दिसम्बर को कुपोषण उन्मूलन, मातृ-शिशु पोषण सुधार एवं Nurture App के प्रभावी उपयोग पर एक दिवसीय उन्नत प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई।

जिला परिषद पालघर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे (भा.प्र.से.) ने कार्यशाला का निरीक्षण कर अधिकारियों-कर्मचारियों से संवाद साधा तथा योजनाओं की समयबद्ध व पारदर्शी कार्यान्वयन पर विशेष जोर दिया।

सीईओ रानडे ने अपात्र लाभार्थियों की छंटनी कर पात्र माताओं व बच्चों तक लाभ समय पर पहुँचाने, गरोदर और स्तनदा माताओं की सटीक जानकारी डिजिटल माध्यम से दर्ज कर Nurture App

को पूरी तरह अद्यतन रखने के निर्देश दिए। उन्होंने दो-संतान नीति के प्रति जागरूकता बढ़ाने, तथा अंगणवाड़ी भवन निर्माण की गुणवत्ता का स्वयं निरीक्षण करने का सुझाव अधिकारियों को दिया। पालघर जिले में सफलतापूर्वक लागू हो रहे पालवी प्रकल्प की सराहना करते हुए इसे जिलेभर में गतिमान रखने की अपेक्षा भी उन्होंने जताई। इस मौके पर जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने कहा कि बच्चे के पहले 1000 दिन सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण, इस अवधि में पोषण उपलब्धता और स्वास्थ्य सुविधाएं सुनिश्चित करना हम सभी की जिम्मेदारी है। कार्यशाला में Nurture App पर अद्यतन नोंद, पोषण ट्रैकर की प्रकल्पनिहाय समीक्षा, कुपोषणग्रस्त बच्चों की वर्तमान स्थिति, VCDC/UCDC एवं NRC में दाखिल बच्चों के लिए उपचारात्मक उपाय आदि सभी विषयों पर विस्तृत मार्गदर्शन किया गया। बाल विकास प्रकल्प अधिकारी, दहानू सतीश पोल ने सभी अधिकारियों को तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान किया। कार्यक्रम में जिला कार्यक्रम अधिकारी वी. एम. हुंडेकर, पालघर बाल विकास प्रकल्प अधिकारी अमोल पवार, पालवी प्रकल्प के तुषार मराड सहित जिले के 12 ग्रामीण व 3 नागरी प्रकल्पों के बालविकास प्रकल्प अधिकारी, मुख्य सेविका, पर्यवेक्षिका एवं विस्तार अधिकारी उपस्थित थे। जिले में मातृ-शिशु कल्याण, पोषण स्थिति सुधार और डिजिटल ट्रैकिंग प्रणाली को और अधिक मजबूत बनाने हेतु यह कार्यशाला अत्यंत प्रभावी सिद्ध होगी, ऐसा विश्वास व्यक्त किया गया।

भिवंडी में सड़क चौड़ीकरण के खिलाफ व्यापारी संघर्ष समिति ने विधानसभा स्पीकर राहुल नार्वेकर से की मुलाकात

आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी शहर में मनपा प्रशासन द्वारा मेट्रो प्रकल्प-5 के लिए सड़क चौड़ीकरण का काम चल रहा है जिसके तहत अंजुर फाटा से कल्याण नाका तक की सड़क को 36 मीटर चौड़ा किया गया है। अगले चरण में कल्याण नाका से टेमघर तक की सड़क को चौड़ा किया जाएगा। इसके खिलाफ समाजवादी पार्टी के महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष अबू आसिम आजमी के नेतृत्व में कल्याण रोड व्यापारी और निवासी संघर्ष समिति के पदाधिकारियों ने महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर से मुलाकात की और इस सड़क चौड़ीकरण का विरोध करते

हुए अपनी मांगों का ज्ञापन सौंपा। शहर में मेट्रो प्रोजेक्ट 5 में धामनकर नाका से कल्याण रूट का काम सड़क चौड़ीकरण के कारण रुका हुआ है। इसके साथ ही इस रूट पर सड़क को चौड़ा किया जा रहा है। लेकिन इस सड़क चौड़ीकरण से कमर्शियल और रेजिडेंशियल प्रोपर्टी मालिकों पर असर पड़ रहा है और इसके साथ कई धार्मिक स्थल तोड़े जाएंगे, जिसका संघर्ष समिति के पदाधिकारियों ने विरोध किया है। अबू आसिम आजमी ने नार्वेकर को बताया कि नगर महापालिका का सड़क चौड़ीकरण शुरू करना गलत है, जैसा कि डेवलपमेंट प्लान में बताया गया है जिसे अभी तक सरकार ने मंजूरी नहीं दी है। आजमी ने कहा है कि शहर का विकास होना चाहिए लेकिन स्थानीय लोगों को परेशान करके नहीं ऐसा करना गलत है और इसके लिए न्याय और समंवय जरूरी है। संघर्ष समिति के संयोजक शादाब उस्मानी ने बताया कि विधानसभा स्पीकर राहुल नार्वेकर ने शिष्टमंडल की शिकायतों पर विचार किया है और भरोसा दिलाया है कि सही न्याय दिया जाएगा।

गोवंडी के बुद्धनगर नाले की सफाई न होने से बीमारी फैलने की आशंका

मनपा अधिकारी कुंभकर्णी निद्रा में

मुम्बई (उत्तरशक्ति)। एक तरफ केंद्र तथा राज्य सरकार की ओर ले पिछले कई वर्षों से स्वच्छ भारत अभियान चलाया जा रहा है वहीं दूसरी तरफ मनपा एम पूर्व के अंतर्गत आने वाले कर्मवीर दादासाहेब गायकवाड़ नगर इलाके के बुद्धनगर नाले की साफ सफाई न किए जाने से संपूर्ण नाले में कचरे का ढेर लगा हुआ है। जिसके कारण मच्छरों का प्रकोप बढ़ने से बीमारी फैलने की संभावना बढ़ गई है। उसके बाद भी मनपा के संबंधित अधिकारी कुंभकर्णी निद्रा धारण किए हुए हैं।

मिली जानकारी के अनुसार बरसात के मौसम से ही बुद्धनगर नाले की साफ सफाई न की जा सकी है। जिसके कारण बुद्धनगर नाला पूरी तरह से कचरे के ढेर से पटा हुआ है। स्थानीय समाजसेवक व तांबोली वेल्फेयर एसोसिएशन की मुखिया जमीर तंबोली ने बताया कि बुद्धनगर नाले से सटकर दोनों तरफ झोपड़े है । इस कारण मच्छरों के

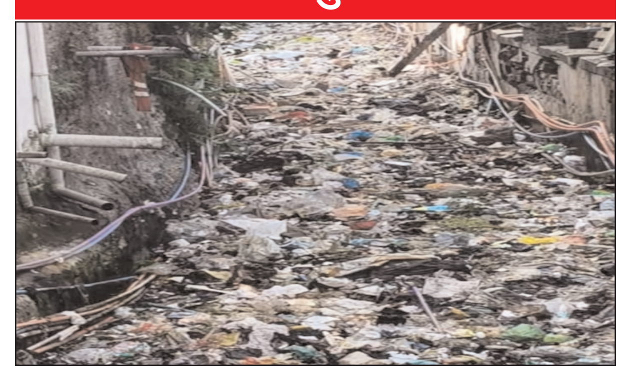

बढ़ते प्रकोप के कारण यहां आए दिन बीमारियों का प्रकोप भी बढ़ चुका है। वहीं मुम्बई कांग्रेस रोजगार स्वयं रोजगार विभाग के प्रदेश महासचिव डा. सत्तार खान ने बताया इसी नाले में कचरे के ढेर में से पीने के पानी की जलवाहिनी डाली गई है जिसके कारण आए दिन लोगों के घरों में गंदे पानी की आपूर्ति होने की शिकायतें बढ़ते जा रही है। डॉ. खान ने यह भी बताया कि इस नाले की साफ सफाई की जिम्मेदारी सेंट्रल एजेंसी के अधीन है।

अनेक बार सेंट्रल एजेंसी के अधिकारियों को इस नाले की सफाई के बारे में अवगत भी कराया जा चुका है। किंतु नाले की साफ सफाई आज तक नहीं की जा सकी है जिसके कारण यहां बीमारी फैलने की संभावना बढ़ गई है।

इंटरनेशनल डे ऑफ द डिसेबल्ड कार्यक्रम सम्पन्न

नालासोपारा में दिव्यांग बालिका को व्हीलचेयर भेंट, सामाजिक प्रतिबद्धता का सुंदर उदाहरण

वसई रोड (उत्तरशक्ति)। इंटरनेशनल डे ऑफ द डिसेबल्ड के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी, नालासोपारा मोरेगांव स्थित कार्यालय में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में दिव्यांग बालिका मिस श्रेयस आत्माराम नंदोसकर को व्हीलचेयर भेंट की गई, जिसे समाज के प्रति एक संवेदनशील और सराहनीय पहल के रूप में देखा गया।

इस सामाजिक कार्य को सफल बनाने में भाजपा कोंकण विकास अघाड़ी वसईझविरार सिटी के अध्यक्ष सचिन केशव कदम तथा जयसिंग खबाले की महत्वपूर्ण भूमिका रही, जो संजय गांधी निराधार योजना पर लगातार कार्यरत हैं। उनकी पहल के सकारात्मक परिणाम स्वरूप यह सहायता प्रदान की जा सकी।

कार्यक्रम में रामचंद्र सुशीला परशुराम मंडलिक (भाजपा तुलिंज जनरल सेक्रेटरी), सिद्धेश भोसले, उत्तम करमलकर, ऋषिकेश खंडारे, प्रथमेश पड्याल और रवींद्र तेंबुगड़े ने कहा कि, दिव्यांगों के लिए मदद का हाथ बढ़ाना ही इंसानियत का सबसे सच्चा रूप है।

नालासोपारा के विधायक राजन नाईक ने भी इस पहल की प्रशंसा करते हुए इसे समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की दिशा में एक प्रेरणादायी कदम बताया। कार्यक्रम के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि दिव्यांगजन के प्रति सहयोग और संवेदना ही एक समावेशी समाज की पहचान है।

भारत में साइबर हमले 265 मिलियन पारः सेकराइट

मुंबई। क्विक हील टेक्नोलॉजीज लिमिटेड की एंटरप्राइज इकाई सेकराइट ने आज अपनी वार्षिक इंडिया साइबर थ्रेट रिपोर्ट 2026 जारी करते हुए खुलासा किया कि भारत में साइबर हमलों की संख्या 265.52 मिलियन (26.55 करोड़) तक पहुंच गई। अक्टूबर 2024 से सितंबर 2025 के बीच, सेकराइट लैब्स ने 80 लाख से अधिक एंडपॉइंट्स की निगरानी की और कुल 265.52 मिलियन (26.55 करोड़) साइबर हमले दर्ज किए। यह औसतन प्रतिदिन 7.27 लाख से अधिक और हर मिनट लगभग 505 हमलों के बराबर है। इस अवधि में ट्रोजन और फाइल इंफेक्टर मैलवेयर सबसे अधिक सक्रिय रहे—ट्रोजन के 88.4 मिलियन और फाइल इंफेक्टर के 71.1 मिलियन डिटेक्शन्स दर्ज किए गए। संयुक्त रूप से, ये दोनों श्रेणियाँ भारतीय संगठनों पर हुए कुल साइबर हमलों का लगभग 70% हिस्सा हैं। सेकराइट के नेक्स्ट-जेनरेशन एंटीवायरस और एंटी-रैनसमवेयर इंजनों ने इस अवधि में 3.4 करोड़ से अधिक संदिग्ध और असामान्य गतिविधियों को पहचानकर ब्लॉक किया। रैनसमवेयर गतिविधि जनवरी 2025 में चरम पर रही, जब 185 केस और 1.13 लाख डिटेक्शन्स दर्ज किए गए। इसी दौरान क्रिप्टोजैकिंग के मामलों में बढ़ोतरी हुई और यह आंकड़ा 6.5 मिलियन तक पहुंच गया।

भौगोलिक स्तर पर महाराष्ट्र (36.1 मिलियन डिटेक्शन्स), गुजरात (24.1 मिलियन), और दिल्ली (15.4 मिलियन) सबसे अधिक प्रभावित राज्य रहे, जबकि मुंबई, नई दिल्ली और कोलकाता साइबर हमलों के शीर्ष लक्षित शहरों के रूप में उभरे। उद्योग क्षेत्र के परिप्रेक्ष्य में, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और विनिर्माण सेक्टर कुल डिटेक्शन्स के लगभग 47% पर केंद्रित रहे, जो उनकी संवेदनशीलता, महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे पर निर्भरता और सीमित सुरक्षा संसाधनों को दशार्ता है। यही कारक इन्हें बड़े-पैमाने के साइबर हमलों का प्रमुख लक्ष्य बनाते हैं।

मौजूदा साइबर खतरे के परिदृश्य की गंभीरता और साइबर हमले के दौरान परिचालन बाधित होने से व्यवसायों को होने वाले भारी आर्थिक प्रभाव को ध्यान में रखते हुए, सेकराइट ने दो नई एंटरप्राइज-ग्रेड सेवाएँ—डिजिटल रिस्क प्रोटेक्शन सर्विसेज, जो एआई और एमएल आधारित निगरानी, ब्रांड सुरक्षा तथा डार्क वेब ट्रैकिंग प्रदान करती है, और रैनसमवेयर रिकवरी एज ए सर्विस , जो बिना फिरौती दिए सुरक्षित और तेज डेटा पुनर्प्राप्ति सुनिश्चित करती है—लॉन्च की हैं।

क्विक हील टेक्नोलॉजीज लिमिटेड के संयुक्त प्रबंध निदेशक, डॉ. संजय काटकर ने कहा, भारत इस समय साइबर सुरक्षा के सबसे चुनौतीपूर्ण दौर से गुजर रहा है और अभूतपूर्व स्तर के खतरों का सामना कर रहा है। इंडिया साइबर थ्रेट रिपोर्ट 2026 का उद्देश्य नीति-निमार्ताओं, उद्यमों और नागरिकों को विकसित हो रहे साइबर जोखिमों की गहराई समझाना और उन्हें सक्रिय साइबर सुरक्षा अपनाने के लिए आवश्यक अंतर्दृष्टि प्रदान करना है।

उन्होंने नई सेवाओं की घोषणा पर कहा, सेकराइट डीआरपीएस (डिजिटल रिस्क प्रोटेक्शन सर्विसेज) के लॉन्च के साथ संगठनों को पारंपरिक फायरवॉल और परिधि-आधारित सुरक्षा से आगे बढ़कर डिजिटल संपत्तियों की व्यापक सुरक्षा सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। मौजूदा परिदृश्य में ब्रांड प्रतिष्ठा, डेटा अखंडता और ग्राहक विश्वास लगातार जोखिम में है। इसी क्रम में, हम सेकराइट आरआरएएएस (रैनसम रिकवरी एज ए सर्विस) भी पेश कर रहे हैं, जो रैंसमवेयर रिकवरी को संकट-प्रबंधन मॉडल से बदलकर एक संरचित, विशेषज्ञ-निर्देशित प्रक्रिया में परिवर्तित करेगा – जो फिरौती पर निर्भर नहीं होती।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालयः
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागुराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण की अवधि बढ़ी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र के द्वारा कलेक्ट्रट सभागार में भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार अर्हता तिथि 01.01.2026 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के सम्बन्ध में प्रेसवार्ता आयोजित की गयी।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के द्वारा इन्यूमरेशन अवधि 11 दिसम्बर 2025 तक बढा दी गयी है। पोलिंग बूथो के सम्भाजन और परिवर्तन की तिथि 11 दिसम्बर 2025 तक निर्धारित की गयी है। मतदाता सूची का आलेख्य प्रकाशन की तिथि बढ़ाकर 16 दिसम्बर 2025, तथा मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन तिथि बढ़ाकर 14 फरवरी 2026 कर दी गयी है। उन्होंने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश के क्रम में जनपद में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण का कार्य तेजी के साथ किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत गणना प्रपत्र वितरण और संग्रहण के पश्चात डिजिटाइजेशन हेतु बीएलओ के सहयोग हेतु अध्यापकगण, लेखपाल, अमीन सुपरवाइजर के रूप में और इसके अतिरिक्त समीक्षा हेतु जिला स्तरीय अधिकारी भी लगाए गए हैं।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया है कि अब तक विधानसभा बदलापुर में 80.17 प्रतिशत, शाहगंज में 79.16, जौनपुर में 68.72, मल्हनी में 77.36, मुंगराबादशाहपुर में 74.27, मछलीशहर में 76.37, मडियाहूं में 76.13, जाफराबाद में 72.57 और केराकत में 80.31 प्रतिशत डिजिटाइजेशन का कार्य पूर्ण हो गया है। इस प्रकार जनपद में अब तक कुल 76 प्रतिशत से भी अधिक डिजिटाइजेशन का कार्य पूर्ण हो गया है। जिला निवार्चन अधिकारी ने बताया कि विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के प्रक्रिया के दौरान नियमित रूप से राजनैतिक दल के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर अद्यतन जानकारी दी जाती और उनसे फीडबैक प्राप्त भी किया जाता है।

उन्होंने बताया कि विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण प्रक्रिया के दौरान बीएलओ को सभी प्रकार से सहयोग करते हुए सकारात्मक माहौल में कार्य लिया जा रहा है। उन्होंने एसआईआर प्रक्रिया के दौरान मीडिया प्रतिनिधियों के द्वारा लोगो को जागरुक करने पर उनके सार्थक पहल की सराहना भी की। उन्होंने बताया कि कम प्रगति वाले बूथो की नियमित समीक्षा की जा रही है और प्रगति बढ़ाने हेतु बीएलओ के सहयोग हेतु सुपरवाइजर, अध्यापकगण सहित अतिरिक्त कर्मचारी लगाये गये है।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने जनपद वासियों से अपील की है कि बढ़ी हुई इन्यूमरेशन अवधि 11 दिसम्बर 2025 तक अपना गणना प्रपत्र भरकर बीएलओ को अवश्य उपलब्ध करा दे।

इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी राम अक्षयवर चौहान, ज्वांइट मजिस्ट्रेट सौरभ कुमार, नगर मजिस्ट्रेट इन्द्र नन्दन सिंह सहित अन्य ईआरओ और एईआरओ, और मीडिया प्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

अनुशासन में ही सम्पन्न हुआ मेडिकल कालेज के वार्षिक उत्सव प्रवाह-2025 का चौथा दिन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, जौनपुर के प्रधानाचार्य प्रो० आर०बी० कमल के कुशल नेतृत्व में नोडल वार्षिक उत्सव प्रवाह 2025 डा० मुदित चौहान एवं आदर्श कुमार यादव व डा० पूजा पाठक के द्वारा आज वार्षिक उत्सव के चौथे दिन अत्यंत उत्साह सफलता पूर्वक आयोजित हुआ। वार्षिक उत्सव प्रवाह 2025 के चौथे दिन खेलों का रोमांच चरम पर रहा दिनभर परिसर में उत्साह, ऊर्जा और प्रतिस्पर्धा का जोश देखने को मिला। निर्धारित कार्यक्रम के अंतर्गत आज कई प्रमुख खेलों के फाइनल मुकाबले सफलतापूर्वक आयोजित किए गए।

टग ऑफ वॉर (रस्साकशी) चौथे दिन का आकर्षण टग ऑफ वॉर रहा, जिसमें प्रतिभागी टीमों ने अद्भुत शक्ति, संतुलन और टीमवर्क का प्रदर्शन किया। दर्शकों के उत्साह और खिलाड़ियों के जोश ने माहौल को और नी जोशीला बना दिया।

कबड् ?डी का फाइनल मुकाबला- कबड् ?डी के फाइनल में खिलाड़ियों ने शानदार फुर्ती, रणनीति और दमखम दिखाया। दोनों टीमों के बीच मुमाबला अत्यंत रोमांचक रहा। दर्शकों ने खिलाड़ियों को लगातार उत्साहित किया और मैदान पर खेल भावना का अद्भूत माहौल देखने को मिला।

वॉलीबॉल फाइनल, वॉलीबॉल के फाइनल मैच ने पूरे कार्यक्रम में नई ऊर्जा भर दी। शानदार स्मैश, ब्लॉक और रणनीतिक खेल ने दर्शकों का मन मोह लिया। मैच भरपूर प्रतिस्पर्धात्मक रहा और खिलाड़ियों की तकनीक और टीम भावना देखते ही बनती थी।

क्रिकेट का फाइनल मुकाबला- चौथे दिन का सबसे प्रतिक्षित कार्यक्रम क्रिकेट का फाइनल मैच रहा। दोनों टीमों ने उत्कृष्ट खेल कौशल प्रदर्शित किया। बल्लेबाजों और गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन ने मैच को बेहद रोमांचक बना दिया। मैदान पर विद्यार्थियों और शिक्षकों की भारी संख्या में मौजूदगी ने माहौल को जीवंत किया।

पाककला प्रतियोगिता- चौथे दिन आयोजित कार्यक्रम के अंतर्गत पाककला (कुकिंग) प्रतियोगिता का भी सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। प्रतिभागियों ने विभिन्न व्यंजनों की प्रस्तुति देकर अपनी रचनात्मकता, स्वाद एवं पाक-कौशल का शानदार प्रदर्शन किया।

चौथे दिन के इन सभी मुकाबलों ने न केवल विद्यार्थियों की खेल प्रतिभा को मंच दिया, बल्कि टीमवर्क, खेल भावना और स्वास्थ्य जागरूकता को भी मजबूती प्रदान की। वार्षिक उत्सव 2025 की यह कड़ी सभी प्रतिभागियों, आयोजन समिति और दर्शकों के सहयोग से पूरी गरिमा और सफलता के साथ संपन्न हुई। प्रधानाचार्य प्रो० आर०बी० कमल ने कहा कि प्रवाह 2025 केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि हमारे विद्यार्थियों की ऊर्जा, प्रतिमा, अनुशासन और सकारात्मक सोच का सजीव प्रतीक है। खेलों और सांस्कृतिक गतिविधियों में आपकी भागीदारी यह साबित करती है कि आप केवल कुशल चिकित्सक ही नहीं, बल्कि एक समर्थ, संतुलित और सर्वांगीण व्यक्तित्त्व बनने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। याद रखें प्रतिभा तभी निखरती है जब हम उसे अवसर और प्रयास दोनों देते हैं। आज आपका जो उत्साह दिखा, वही आपके उज्वल भविष्य की पहचान है।

अन्त में प्रधानाचार्य महोदय ने सभी को बधाई देते हुए कहा- मैं आप सभी के उज्वल, स्वस्थ एवं प्रगतिशील भविष्य की कामना करता हूँ। आपका यही उत्साह और अनुशासन हमारे संस्थान की वास्तविक शक्ति है।

इस अवसर पर उप प्रधानाचार्य प्रो० आशीष यादव, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक प्रो० ए०ए० जाफरी, डीन रिसर्च प्रो० रूचिरा सेठी, डीन एकेडमिक प्रो० तबस्सुम याशमीन, स्पोर्ट कमेटी अध्यक्ष, प्रो० उमेश कुमार सरोज, प्रो० भारती यादव, डा० साधना अजय, डा० विनोद डा० अरविन्द पटेल, डा० सी०बी०एस० कर्नल पटेल, डा० अनुज सिंह, डा० सरिता पाण्डेय, डा० राजश्री यादव, डा० स्वाती विश्वकर्मा, डा० अचल सिंह, डा० रोहित कुमार सरोज, डा० चन्द्रभान, डा० आशुतोष सिंह, डा० संजीव यादव, डा० विनोद वर्मा, डा० अर्चना, डॉ पलाश रतना, डॉ स्तुति सिंह, डा० अनिल कुमार , डॉ नवीन सिंह, डा० प्रियंका सिंह, डा० रेनू, डा० वृजेश कन्नौजिया, डा० अजय, डा० पंकज, डा० जयंत शर्मा, डा० संदीप सिंह, एवं एम०बी०बी०एस० व पैरामेडिकल छात्र/छात्राएं तथा कर्मचारी उपस्थित रहें।

एसआईआर को लेकर अनावश्यक भ्रम फैला रहा विपक्षः भूपेंद्र सिंह चौधरी

कहा- भाजपा का संकल्प, पात्र मतदाता का नाम सूची से न कटे

विपक्ष नहीं चाहता कि देश में सही और शुद्ध मतदाता सूची जारी होः अजीत प्रजापति

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भाजपा कार्यालय में एसआईआर अभियान की समीक्षा बैठक हुई जिसकी अध्यक्षता जिला अध्यक्ष अजीत प्रजापति ने की एवं मुख्य अतिथि भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी रहे सर्वप्रथम कार्यक्रम का शुभारंभ पार्टी के पुरोधा पं दीनदयाल उपाध्याय एवं श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया उसके बाद वंदेमातरम गीत गाया गया। उसके उपरान्त मुख्य अतिथि को जिला अध्यक्ष अजीत प्रजापति द्वारा पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया गया।

मुख्य अतिथि भूपेंद्र सिंह चौधरी ने उपस्थित सभी जिला पदाधिकारी, सभी विधानसभा संयोजक, मंडल अध्यक्ष, व एसआईआर में लगे कार्यकर्ताओं के साथ समीक्षा की प्रदेश अध्यक्ष ने कहा की पार्टी की ओर से बनाए गए बीएलए टू, बूथ प्रवासी, बूथ अध्यक्ष, शक्ति केंद्र संयोजक अपने-अपने बूथ पर बीएलओ के साथ मिलकर फॉर्म भरने का कार्य तेजी से पूरा करें विपक्ष इस अभियान को लेकर जनता में अनावश्यक भ्रम फैलाने का प्रयास कर रहा है।

मुख्य अतिथि चौधरी ने अपने संबोधन में कहा कि भाजपा का संकल्प है कि किसी भी पात्र मतदाता का नाम सूची से न कटे और किसी भी अपात्र व्यक्ति का नाम न जुड़े। उन्होंने बताया कि पहले मतदाता सूची में कई विसंगतियां होती थीं, जैसे एक व्यक्ति का कई स्थानों पर नाम होना या विलोपित/विस्थापित व्यक्तियों के नाम बने रहना, जिससे मतदान प्रतिशत प्रभावित होता था। उन्होंने स्पष्ट किया कि मतदाता सूची का शुद्धिकरण लोकतंत्र को मजबूत बनाता है। हालांकि, विपक्ष इस महत्वपूर्ण अभियान के बारे में जनता के बीच अनावश्यक भ्रम फैलाने की कोशिश कर रहा है।

प्रदेश अध्यक्ष ने जोर देकर कहा कि भारतीय जनता पार्टी हमेशा राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखती है। उन्होंने विपक्ष पर विदेश-प्रभावित विचारधाराओं से देश को अस्थिर करने का आरोप लगाया। उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं से मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान में सक्रिय सहयोग देने और सभी पात्र मतदाताओं को सूची में शामिल करने में पूरी सहायता करने का आह्वान किया। उन्होंने सभी जनप्रतिनिधियों को भी मतदाता सूची को शुद्ध और सटीक बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

क्षेत्रीय अध्यक्ष दिलीप पटेल ने उपस्थित कार्यकताओं को स्पष्ट निर्देश दिए कि वे घर-घर जाकर लोगों की सहायता करें। मृत व्यक्तियों के नाम सूची से हटाने, नए पात्र मतदाताओं को शामिल कराने और आवश्यक दस्तावेजों को समय पर जमा कराने में जनता को मदद पहुंचाई जाए। उन्होंने प्रशासन के साथ तालमेल बनाकर प्रक्रिया को गति देने की भी सलाह दी।

बैठक में जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति ने रक्फ़ अभियान के तहत कार्यकताओं द्वारा किए जा रहे कार्यों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की तो उस पर प्रदेश अध्यक्ष ने अभियान की प्रगति पर संतोष व्यक्त किया। जिला अध्यक्ष अजीत प्रजापति ने संबोधित करते हुए कहा कि शुरू से ही रक्फ़ को लेकर विपक्ष नकारात्मक रवैया अपनाता रहा है विपक्ष नहीं चाहता कि देश में सही और शुद्ध मतदाता सूची जारी हो। उनका काम सिर्फ टांग अड़ाना है, जबकि यह देशहित का कार्य है जिसमें सभी दलों को साथ आना चाहिए।

जिला अध्यक्ष मछली शहर अजय सिंह ने सभी कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे रक्फ़ प्रक्रिया में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें और आवश्यक फार्म भरें, ताकि मतदाता सूची को अधिक सटीक बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती सही मतदाता सूची से ही सुनिश्चित होती है।

कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री सुनील तिवारी ने की उक्त अवसर पर केपी सिंह अशोक चौरसिया विधायक रमेश मिश्र हरिश्चन्द्र सिंह पीयूष गुप्ता सुरेन्द्र सिंघानिया राकेश वर्मा संदीप सरोज विजय लक्ष्मी साहू अवधेश यादव राज पटेल संतोष मिश्र अंजना श्रीवास्तव विनय सिंह पंकज मिश्रा संदीप तिवारी लवकुश सिंह पुष्पा शुक्ला आमोद सिंह रोहन सिंह जितेंद्र सिंह अभिषेक तिवारी आदि उपस्थित रहे।

काशी में मां ने बेटे को दी मुखाग्नि

15 साल पहले पति ने छोड़ दिया था, बेटी के इंतजार में ताकती रही माँ

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद में एक ऐसी घटना देखने को मिली जिसने हर किसी के दिल को झकझोर दिया। मौत के बाद अंतिम संस्कार की परंपराओं में आमतौर पर पिता, पुत्र या भाई को ही मुखाग्नि देने का अधिकार माना जाता है, लेकिन काशी के हरिश्चंद्र घाट पर उस समय भावनाओं का सैलाब उमड़ पड़ा जब एक मां ने अपने ही बेटे को मुखाग्नि दी।

बनारस के औरंगाबाद में वर्षों से किराए के कमरे में रहने वाली कुसुम चौरसिया के 23 वर्षीय बेटे राहुल की बीमारी से मौत हो गई। उस वक्त उनकी वह बेटी तक मदद करने के लिए नहीं, जो रोज किसी न किसी काम से आया करती थी। कुसुम के पति भी 15 साल पहले उन्हें छोड़कर चले गए लेकिन उन्होंने कभी भी मांग में सिंदूर लगाना नहीं छोड़ा।

बताया जा रहा है कि राहुल कुछ समय से बीमार चल रहा था। मां कुसुम दूसरों के घरों में झाड़ू-बर्तन का काम करती थीं। इसी से घर के खर्च चलते थे।

घटना के बाद दिल को झकझोर देने वाली बात सामने तब आई जब भाई की मौत पर बहन घर आखरी बार देखने तक नहीं आई। कह दिया कि उसके यहां भी गमी पड़ गई है। बेटी के इस जवाब पर मां अपने बेटे की लाश कमरे में रखकर निराश बैठी रही।

समाजसेवी अमन बुजुर्ग कुसुम के घर पहुंचे। अमन कबीर सेवा न्यास की मदद से राहुल चौरसिया की लाश को लेकर हरिश्चंद्र घाट पहुंचे। यहां हिन्दू रीति-रिवाज से राहुल के अंतिम संस्कार की तैयारियां की गईं। घर में किसी के न होने के कारण मां ने खुद अपने बेटे की चिता को अग्नि दी।

मजबूरियों के बीच मां ने वह जिम्मेदारी निभाई, जिसे निभाने की कल्पना मात्र से भी दिल कांप जाये, घाट पर मौजूद लोगों की आंखें नम हो गईं जब वृद्ध मां ने कांपते कदमों और डगमगाते हाथों से पुत्र की चिता को अग्नि दी।

अमन कबीर के अनुसार, मां ने मुखाग्नि देने से पहले बेटे के चेहरे को आखिरी बार स्पर्श किया, फिर भगवान से उसके मोक्ष की प्रार्थना की। उसके शरीर पर घी का लेपन भी किया। कुसुम के आंसू लगातार बह रहे थे। उसने बताया कि विवाह का सपना था, लेकिन सब चकनाचूर हो गया। वहां मौजूद लोगों का कहना था कि काशी में अनेक विधि-विधान रोज होते हैं, लेकिन माँ के द्वारा मुखाग्नि देख लोग बहुत दुखी रहे।

केराकत सरकारी अस्पताल के बगल में तीन फर्जी प्राइवेट अस्पतालों का धड़ल्ले से किया जा रहा है संचालन

फर्जी अस्पतालों की जांच के नाम पर सिर्फ होती है खानापूर्ति, जिम्मेदार बने मौन, आखिर सुनें कौन

बिना डिग्री के फर्जी डाक्टर बनें नीम हकीम खतरे जान

विद्यासागर की रिपोर्ट

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्वास्थ्य विभाग जिस पर आम जन के स्वास्थ्य की जिम्मेदारी हो जब वह विभाग ही गूंगा बधिर और अन्धा हो जाये तो आखिर आम जन के स्वास्थ्य के साथ कब तक खुलेआम खिलवाड़ होता रहेगा। उत्तर प्रदेश के लोकप्रिय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरकार और उनके स्वास्थ्य मंत्री उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक की लाख कोशिशों और कडाई के बाद भी स्वास्थ्य विभाग के ही अधिकारियों की मिली भगत और चांदी के जूतों की चमक के आगे सरकार की तमाम कोशिशों के बावजूद पानी फिरता नजर आ रहा है। केराकत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अधिक्षक अथवा मुख्य चिकित्साधिकारी जौनपुर की आंख मूदों नीति के चलते सरकारी अस्पताल के समीप बगल में तीन फर्जी प्राइवेट अस्पतालों का धड़ल्ले से संचालन किया जा रहा है। जहां गरीब और असहाय रूप से असमर्थ मरीजों को दलालों के माध्यम से गुमराह कर इन अस्पतालों में अच्छा इलाज होने का झूठा सपना दिखाकर उनको लूटनें का कार्य किया जाता है। सुत्र बताते हैं कि दवा इलाज ही नहीं बिना डिग्री के फर्जी डाक्टर बनें नीम हकीम खतरे जान डाक्टर द्वारा गर्भवती महिलाओं का आपरेशन के जरिये बच्चा पैदा कराये जानें का कार्य धड़ल्ले किया जा रहा है। सूत्र बताते हैं कि इस कार्य में स्वास्थ्य विभाग से जुड़ी महिलाओं काभी अप्रत्यक्ष रूप से हिस्से दारी होती है। जबकि पिछले दिनों शासन के निर्देश और मुख्य चिकित्साधिकारी जौनपुर द्वारा भेजी गयी स्वास्थ्य विभाग की टीम की फर्जी अस्पतालों की जांच कार्यवाही मात्र कागजी खानापूर्ति तक ही सीमित साबित हुयी है।

शाहगंज के पुलिस चौकी बीबीगंज का हुआ लोकार्पण, कानून-व्यवस्था को मिलेगी मजबूती

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले की कानून-व्यवस्था को और सुदृढ़ करने के उद्देश्य से थाना शाहगंज के अंतर्गत बीबीगंज में एक नई पुलिस चौकी का लोकार्पण किया गया। श्री विश्वनाथ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस कलान, सुल्तानपुर के सहयोग से निर्मित इस चौकी का उद्घाटन जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र और पुलिस अधीक्षक डॉ. कौस्तुभ के कर कमलों द्वारा किया गया।

इस अवसर पर श्री विश्वनाथ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के संस्थापक प्रबंधक भोलानाथ सिंह की गरिमामयी उपस्थिति रही।

जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र ने बीबीगंज पुलिस चौकी के निर्माण में सहयोग के लिए श्री विश्वनाथ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह नई चौकी क्षेत्र में अपराध नियंत्रण और शांति व्यवस्था बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

नई पुलिस चौकी का निर्माण क्षेत्र में सुरक्षा की भावना को मजबूत करेगा और नागरिकों के लिए एक सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करने में मदद करेगा। यह सामुदायिक सहयोग और प्रशासन के बीच बेहतर तालमेल का एक उत्कृष्ट उदाहरण है।

पुलिस अधीक्षक डॉ. कौस्तुभ ने कहा कि पुलिस चौकी के स्थापित होने से पुलिस की मौजूदगी बढ़ेगी और जनता के साथ बेहतर समन्वय स्थापित हो सकेगा, जिससे त्वरित कार्यवाही में मदद मिलेगी।

लोकार्पण के बाद जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने शाहगंज महोत्सव का भी दौरा किया। उन्होंने महोत्सव में सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और शांतिपूर्ण आयोजन सुनिश्चित करने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

क्षेत्राधिकारी शाहगंज अजीत सिंह चौहान, थाना प्रभारी शाहगंज, चौकी प्रभारी बीबीगंज सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति और सम्मानित नागरिक भी इस अवसर पर मौजूद रहे।

भदोही से जौनपुर जा रही कार दो पहिया वाहन को बचाने में अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराई

रियाजुल हक

रामपुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद जौनपुर के सिधवन तिराहे के पास आज दोपहर लगभग 12 बजे भदोही से जौनपुर जा रही एक स्विफ्ट कार अचानक सामने आ रही मोटरसाइकिल को बचाने में अनियंत्रित हो गई और जोरदार तरीके से डिवाइडर से टकरा गई। टक्कर इतनी तेज थी

कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। इसी दौरान जौनपुर की ओर से आ रही बोलेरो ने भी स्विफ्ट को टक्कर मार दी, जिससे नुकसान और बढ़ गया। गोलू सिंह, निवासी सेमुही- सिर व पैर में गंभीर चोट, मनीष यादव, निवासी मुसईपुर- हल्की चोट आयी। दोनों घायलों को एंबुलेंस की मदद से भदोही के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों व समाजसेवी निगम दुबे के अनुसार, मोटरसाइकिल को बचाते समय कार अनियंत्रित हुई और डिवाइडर से टकरा गई। बोलेरो की टक्कर से हालत और खराब हो गई। हादसे के बाद कुछ समय तक हाईवे पर आवागमन बाधित रहा, बाद में पुलिस ने यातायात सामान्य कराया। सभी वाहन चालकों से अपील, सावधानी बरतें, सुरक्षित रहें।

राजनैतिक दल के प्रतिनिधियों संग विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण, मतदेय स्थलों के सम्भाजन के सम्बन्ध में हुई बैठक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र के द्वारा कलेक्ट्रेट सभागार में राजनैतिक दल के प्रतिनिधिगण के साथ विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण और मतदेय स्थलों के सम्भाजन के सम्बन्ध में बैठक सम्पन्न हुई।

जिला निर्वाचन अधिकारी के द्वारा विस्तारपूर्वक विधानसभावार विशेष प्रजिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र के द्वारा कलेक्ट्रेट सभागार में राजनैतिक दल के प्रतिनिधिगण के साथ विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण और मतदेय स्थलों के सम्भाजन के सम्बन्ध में बैठक सम्पन्न हुई।गाढ़ पुनरीक्षण के सम्बन्ध में जानकारी देते हुए बताया कि विधानसभा बदलापुर में 80.17 प्रतिशत, शाहगंज में 79.16, जौनपुर में 68.72, मल्हनी में 77.36, मुंगराबादशाहपुर में 74.27, मछलीशहर में 76.37, मडियाहूं में 76.13, जाफराबाद में 72.57 और केराकत में 80.31 प्रतिशत डिजिटाइजेशन का कार्य पूर्ण हो गया है। इस प्रकार जनपद में अब तक कुल 76 प्रतिशत से भी अधिक डिजिटाइजेशन का कार्य पूर्ण हो गया है। जिसके लिए उन्होंने विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के कार्य में सहयोग हेतु राजनैतिक दल के प्रतिनिधिगण, ईआरओ, एईआरओ, बीएलओ, अध्यापक और लेखपाल सहित जितने भी कार्मिक लगे है सभी के कार्यो की सराहना की।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया है कि 07 दिसम्बर 2025 को मेगा डिजीटाइजेशन दिवस का आयोजन होगा। इस दौरान अवशेष मतदातओं से गणना प्रपत्र प्राप्त कर डिजीटाइजेशन के कार्य को और गति दी जायेगी। इसके साथ ही जिला निर्वाचन अधिकारी के द्वारा पोलिंग स्टेशनों के सम्भाजन के सम्बन्ध में जानकारी दी।

इस अवसर पर विधायक मछलीशहर डॉ0 रागिनी सोनकर, जिलाध्यक्ष भाजपा अजीत प्रजापति, अजय कुमार सिंह, सपा से राकेश मौर्या, बीएसपी चन्द्रेज भारती, समाजवादी पार्टी से श्याम बहादुर पाल, गुलाब चन्द्र यादव, निजामुददीनपुर अंसारी, बीजेपी से स्कन्द कुमार पटेल, विनीत कुमार शुक्ला, सुदर्शन सिंह, जटाशंकर सिंह, आम आदमी पार्टी से सुबाष चन्द्र गौतम, सीपीआईएम किरन शंकर रघुवंशी, राजदेव पटेल, अपना दल एस जय प्रकाश पटेल, डा0 मनीष कुमार यादव, सुहेलदेव पार्टी से राकेश कुमार, कांग्रेस पाटी से मो0 आरिफ खान, राकेश कुमार सिंह, सांसद प्रतिनिधि मनोज कुमार मौर्या, सहित अन्य प्रतिनिधिगण, उपजिला निर्वाचन अधिकारी राम अक्षयबर चौहान, नगर मजिस्ट्रेट इन्द्र नन्दन सिंह सहित अन्य उपस्थित रहे।

शीतलहर (कोल्ड वेव) से उत्पन्न होने वाले रोगों से बचाव हेतु आवश्यक दिशा निर्देश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने अवगत कराया है कि आगामी शीतलहर वर्ष 2025-26 से बचाव हेतु तैयारियों के दृष्टिगत जनपद वासियों के लिए शीतलहर से बचाव से सम्बन्धित एडवाइजरी जिसमें क्या करे क्या न करे की जानकारी हेतु जिला प्रशासन द्वारा जारी की जा रही है, जिसके माध्यम से जनपद में अत्यधिक ठण्ड एवं शीतलहरी से उत्पन्न होने वाली समस्याओं के दृष्टिगत निराश्रित एवं असहाय तथा कमजोर वर्ग के असुरक्षित व्यक्तियों को आगामी शीतलहर में राहत एवं बचाव की जन जागरूकता के बिन्दु साझा किये गये है।

शीतलहर एडवाइजरी- क्या करेंः- अपने आप को गर्म रखें, ऊनी कपड़े पहनें, घर के अंदर ही रहे, गर्म पानी पिएं।

क्या न करेंः- कोयले एवं लकड़ी आदि को घर के अंदर न जलाएं, फ्रास्टेन एरिया में मालिश न करें, शरीर के कापने को नजर अंदाज न करें।

शीतलहर से पहलेः- सर्दियों के कपड़े पर्याप्त मात्रा में रखें, कपड़ों की कई परतें पहनना भी लाभदायक रहता है, आपातकालीन आपूर्तियों के लिए सभी सामान तैयार रखें।

शीतलहर के दौरानः- पर्याप्त पानी स्टोर करें क्योंकि पाइपों में पानी जम सकता है। जितना संभव हो, घर के अंदर रहें। ठंडी हवा से बचने के लिए कम से कम यात्रा करें, अपने शरीर को सुखाकर रखें। यदि कपड़े गीले हो जाएँ तो उन्हें तुरंत बदलें। इससे शरीर की उष्मा बनी रहेगी। हाफ दस्ताने के बजाय पुरा दस्ताने को प्राथमिकता दें। पुरे दस्ताने अधिक गर्मी और तापावरोधन प्रदान करते हैं। मौसम की ताजा जानकारी के लिए रेडियो सुनें, टीवी देखें, समाचार पत्र पढ़ें। नियमित रूप से गर्म पेय पिये, तथा शरीर को ठण्ड से बचाव हेतु गर्म कपड़े तथा अलाव आदि की व्यवस्था करें। शराब न पिएं, यह आपके शरीर के तापमान को कम करता है। बुजुर्गों और बच्चों का ख्याल रखें। शीतदंश के लक्षणों जैसे उगलियों, पैर की उंगलियों, कानों की लोब और नाक की नोक पर सुन्नता, सफेदी या पीलेपन के प्रतिसजग रहें। शीतदंश से प्रभावित हिस्से की मालिश न करें। इससे अधिक नुकसान हो सकता है। शीतदंश से प्रभावित शरीर के हिस्सों को गुनगुने पानी में डालें। (गर्म नही क्योंकी शरीर के अप्रभावित भागों के स्पर्श के लिए आरामदायक होना चाहिए) कंपकंपी को नजर अंदाज न करें यह एक महत्वपूर्ण अग्रिम संकेत है कि शरीर गर्मी खो रहा है। कंपकपी महसूस होने पर तुरंत घर लौटें।

हाइपोथर्मिया के मामले मेंः- व्यक्ति को गर्म स्थान पर ले जाएं और कपडे बदल दें, व्यक्ति के शरीर को शारीरिक सम्पर्क, बिजली के कंबल, सूखे कम्बलों, कपड़ों, तौलियों या चादरों से गर्मी दें। शरीर के तापमान को बढ़ाने में मदद करने के लिए गर्म पेय पिलाएं, लेकिन मादक पेय न दें। जितनी जल्दी हो सके, व्यक्ति को उचित चिकित्सा उपचार कराने हेतु निकट के राजकीय चिकित्सालयों में 108 एम्बुलेन्स की सहायता लें।

मुंबई में ट्रांसफॉर्मिंग मुंबई, ट्रांसफॉर्मिंग महाराष्ट्र पोर्ट्रेट प्रदर्शनी

मुंबई। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में बनी महाराष्ट्र सरकार के एक वर्ष पूरे होने के अवसर पर, सरकार के कार्यकाल और विकास कार्यों पर आधारित ट्रांसफॉर्मिंग मुंबई, ट्रांसफॉर्मिंग महाराष्ट्र तीन दिवसीय पोर्ट्रेट प्रदर्शनी आज मुंबई में शुरू हुई। कफ परेड स्थित वर्ल्ड ट्रेड सेंटर के पीकॉक हॉल में आज से 7 दिसंबर 2025 तक आयोजित इस विशेष प्रदर्शनी में वर्ष 2014 से मुख्यमंत्री फडणवीस के नेतृत्व में हुई प्रगति, सुशासन और परिवर्तन की यात्रा को कलात्मक रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है।

भाजपा मुंबई के अध्यक्ष अमित साटम ने कहा कि फडणवीस सरकार के एक वर्ष पूरे होने पर 70 प्रतिशत जनता ने सरकार के कामों की सराहना की है। पिछले 11 वर्षों में महाराष्ट्र ने तेज गति से विकास किया है और मुंबई की पहचान विश्व मानचित्र पर और अधिक मजबूत हुई है। उन्होंने कहा कि मराठी युवाओं को उद्यमिता के लिए प्रोत्साहन देने का काम इस सरकार ने किया है। साथ ही मुंबई को भोंगा-मुक्त बनाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं।

कौशल, रोजगार एवं नवाचार मंत्री मंगलप्रभात लोढ़ा ने अपने संबोधन में कहा कि 2014 में भाजपा इतनी मजबूत स्थिति में नहीं थी, लेकिन मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में आज पार्टी बेहद सुदृढ़ है। उन्होंने कहा कि फडणवीस न सिर्फ भारतीय जनता पार्टी को दिशा देते हैं, बल्कि महाराष्ट्र की अन्य राजनीतिक पार्टियों के कामकाज को भी अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित और मार्गदर्शित करते हैं। राज्य की

राजनीति और विकास यात्रा में उनका नेतृत्व केंद्रीय भूमिका निभाता है। लोढ़ा ने कहा कि वे 25 वर्षों से फडणवीस के साथ काम कर रहे हैं और फडणवीस हर कार्यकर्ता को अपने परिवार का हिस्सा मानते हैं। उन्होंने कहा कि अब मुंबई मनपा का चुनाव जीतना भाजपा का मुख्य लक्ष्य होना चाहिए।

महाराष्ट्र विधानसभा के अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने कहा कि फडणवीस सरकार का एक वर्ष पूरा होने पर राज्य तेजी से विकास कर रहा है। महाराष्ट्र आगे बढ़ेगा तो देश आगे बढ़ेगा, उन्होंने कहा, क्योंकि देश की जीडीपी में महाराष्ट्र का 14 प्रतिशत योगदान है। उन्होंने बताया कि फडणवीस सरकार आने के बाद कई रुके हुए प्रकल्पों को गति मिली है।

अटल सेतु एशिया का सबसे बड़ा ब्रिज बना है। मुंबई में देश का सबसे बड़ा मेट्रो नेटवर्क विकसित किया गया है, जबकि नागपुर और पुणे में भी मेट्रो नेटवर्क का विस्तार फडणवीस के नेतृत्व में संभव हुआ। मुंबई का सी-लिंक, समृद्धि हाइवे, शक्ति पीठ निर्माण, नवी मुंबई एयरपोर्ट और बढ़वण बंदरगाह जैसी परियोजनाएं राज्य के विकास को दिशा दे रही हैं। लाड़ली बहना जैसी योजनाओं का लाभ भी आम लोगों तक पहुंच रहा है।

प्रदर्शनी में प्रसिद्ध पोर्ट्रेट कलाकार भरत सिंह की 100 से अधिक कलाकृतियाँ प्रदर्शित की गई हैं। भरत सिंह ने कहा कि उनकी कला का उद्देश्य हमेशा उन व्यक्तित्वों के कार्यों को जनता तक पहुँचाना है, जो राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। देवेंद्र फडणवीस के कार्यों और उनके व्यक्तित्व ने उन्हें इस प्रदर्शनी के लिए प्रेरित किया। उनकी इच्छा है कि लोग कला के माध्यम से ऐसे राष्ट्र-निमार्ताओं को और करीब से जानें।

शौर्य सिंह का जन्मदिन मनाया गया

नालासोपारा (उत्तरशक्ति)। नालासोपारा पूर्व साईं सूरज हाउसिंग कोऑपरेटिव सोसाइटी ओसवाल नगरी निवासी मनोज कुमार सिंह के पोता शौर्य अनुज सिंह को एक वर्ष पूर्ण होने पर जन्मदिन ब्लैकबेरी किचेन एंड बार बालाजी डोमेस्टिक एयरपोर्ट टर्मिनल 1 बिल्डिंग नेहरु रोड सहारा होटल के सामने विलेपार्ले पूर्व में केक काट कर बड़े धूमधाम से मनाया गया। इस शुभ अवसर परिवार सभी सदस्य मौजूद थे। नाना बी ॰ एल सिंह (आर्मी सेवा निवृत्त) , प्रोफेसर पंकज मिश्रा, मनजीत मिश्रा (सी ए) , विकास सिंह, कृष्णा सिंह सहित कई लोगों ने शौर्य सिंह को आशीर्वाद प्रदान किया और उज्जवल भविष्य की कामना किया। दादा मनोज कुमार सिंह ने आशीर्वाद देते हुए कहा कि मृग के कस्तुरी के सुगंध की भांति, शौर्य बेटा आप की किर्ति की सुगंध चारों दिशाओं में फैले।

टोयोटा हॉर्नबिल म्यूज़िक फेस्टिवल 2025 का शुभारंभ

मुंबई (उत्तरशक्ति)। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने प्रतिष्ठित हॉर्नबिल फेस्टिवल के दौरान टोयोटा हॉर्नबिल म्यूज़िक फेस्टिवल 2025 का औपचारिक शुभारंभ किया। लगातार चौथे वर्ष टाइटल स्पॉन्सर के रूप में जुड़े रहने के साथ ही, कंपनी ने इस लोकप्रिय सांस्कृतिक आयोजन में एक बार फिर नई ऊर्जा और उत्साह का संचार किया। इस वर्ष के उद्घाटन समारोह की शुरूआत टोयोटा के ब्रांड एंबेसडर और विश्व-प्रसिद्ध जापानी ड्रम एंसेंबल ड्रम ताओ के विशेष प्रदर्शन से हुई, जिसने दर्शकों के बीच उत्साह, आनंद और सांस्कृतिक एकता का अद्भुत माहौल बना दिया। हॉर्नबिल म्यूज़िक फेस्टिवल से टीकेएम की यह दीर्घकालीन साझेदारी न केवल नागालैंड बल्कि पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र के साथ उसके गहरे भावनात्मक और सांस्कृतिक संबंधों को प्रतिबिंबित करती है। टोयोटा हार्नबिल म्यूजिक फेस्टिवल 2025 का उद्घाटन नागालैंड सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में हुआ। इनमें शामिल थे–श्री तेजेन इमना आलोन, माननीय उच्च शिक्षा एवं पर्यटन मंत्री, तथा श्री थेजा मेरु, चेयरमैन, टीएएफएमए। इसके साथ ही टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के शीर्ष नेतृत्व, जिनमें श्री तदाशी आसाजुमा (डिप्टी मैनेजिंग डायरेक्टर-सेल्स, सर्विस और यूज्ड कार्स) और श्री सुधीप दलवी (चीफ कम्युनिकेशन ऑफिसर, सीनियर वाइस प्रेसिडेंट और डायरेक्टर) शामिल थे, ने भी शिरकत की। कई अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में हुए इस आयोजन ने ऐसे उत्सव की शुरूआत की, जो सांस्कृतिक सौहार्द और कलात्मक उत्कृष्टता का प्रतीक माना जाता है।

फेस्टिवल से जुड़ाव पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, श्री तदाशी असाजुमा, डिप्टी मैनेजिंग डायरेक्टर (सेल्स, सर्विस एवं यूज्ड कार्स), टोयोटा किर्लोस्कर मोटर और लेक्सस, ने कहा, हॉर्नबिल म्यूज़िक फेस्टिवल नागालैंड की वास्तविक आत्मा और सांस्कृतिक गौरव को दशार्ता है। यह मंच राज्य की जीवंत परंपराओं, सृजनशीलता और विरासत को आगे बढ़ाने का माध्यम है। यह उत्सव विविध समुदायों को जोड़ता है और यहां की गर्मजोशी, आतिथ्य और संस्कृति को अनुभव करने का अवसर देता है। इस प्रतिष्ठित आयोजन का हिस्सा होना हमारे लिए सम्मान और गर्व का विषय है। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के चीफ कम्युनिकेशन ऑफिसर, सीनियर वाइस प्रेसिडेंट और डायरेक्टर, श्री सुदीप दलवी ने कहा, हम नागालैंड सरकार के प्रति हृदय से आभारी हैं, जिसने हमें हॉर्नबिल म्यूज़िक फेस्टिवल से जुड़ने और इस क्षेत्र की समृद्ध संस्कृति तथा प्रतिभा को समर्थन देने का अवसर दिया। इस प्रतिष्ठित आयोजन के साथ हमारा जुड़ाव नागालैंड के प्रति टोयोटा की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है। स्थानीय समुदायों के साथ मिलकर हम नए अवसर विकसित करने, प्रगति को गति देने और राज्य के लिए एक उज्ज्वल एवं आशाजनक भविष्य का निर्माण करने की दिशा में कार्य जारी रखेंगे। फेस्टिवल के दौरान ग्राहकों और आगंतुकों के अनुभव को बेहतर बनाने के उद्देश्य से टोयोटा ने एक विशेष इंटरैक्टिव पैवेलियन भी स्थापित किया। इस प्रदर्शनी में कंपनी ने अपने पूरे वाहन पोर्टफोलियो और उन्नत ग्रीन टेक्नोलॉजी प्रदर्शित की। इनमें हाइब्रिड इलेक्ट्रिक वाहन अर्बन क्रूजर हाईराइडर, इनोवा हाईक्रॉस, कैमरी, वेलफायर, इनोवा क्रिस्टा, फॉर्च्यूनर, ग्लैंजा, अर्बन क्रूजर टेसोर, रुमियन और हिलक्स जैसे मॉडल शामिल थे। यह अनुभव क्षेत्र आगंतुकों के लिए टोयोटा की भविष्यवादी तकनीकों और इनोवेशन को नजदीक से समझने का आकर्षक अवसर बना, साथ ही वे फेस्टिवल के उत्साह और सांस्कृतिक माहौल का भी आनंद ले सके।

महाराजगंज में जाम से राहत को लेकर पूरी तरह से सक्रिय रहा प्रशासन

सिवान (उत्तरशक्ति)। महाराजगंज बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज नगर पंचायत में शुक्रवार को अवैध अतिक्रमण के खिलाफ प्रशासन की संयुक्त टीम ने अभियान चलाया। महाराजगंज में कपूरी चौक से शाहिद फुलेना चौक, राजेंद्र चौक सड़क से नखास चौक तक सड़क के किनारे लगाए गए अस्थायी फल और सब्जी दुकानों को हटाया गया। प्रशासन की पहल से अतिक्रमण हटाया गया। अभियान के दौरान कई दुकानदारों ने आपत्ति जताते हुए कहा कि जाम की प्रमुख वजह बिजली विभाग के पोल और सड़क किनारे खड़े पुराने पेड़ भी हैं, जिन पर ध्यान नहीं दिया जा रहा। उनका कहना था कि पेड़ों से टकराकर अक्सर बाइक सवार दुर्घटनाग्रस्त हो जाते हैं। नगर पंचायत के कार्यपालक सह दंडाधिकारी बिपिन कुमार ने बताया कि अतिक्रमण हटाए जाने के बाद सड़क किनारे जो मलबा पड़ा है, उसे जल्द लोगों को स्वयं हटाना होगा। निर्धारित समय सीमा के बाद मलबा नहीं हटाने पर नगर पंचायत उसे जब्त करेगी। इसके लिए नगर स्वच्छता पदाधिकारी को निर्देश दे दिए गए हैं। अतिक्रमण हटाने को लेकर महाराजगंज की एसडीओ अनीता सिन्हा, सीडीपीओ अमन कुमार काफी सक्रिय थे।

समय पर बिजली बिल भुगतान से बढ़ेगी बचत सहज होंगी उपभोक्ता सेवाएं

सिवान (उत्तरशक्ति)। महाराजगंज बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज ऊर्जा विभाग के जेई आशीष रंजन ने वरीय अधिकारियों का हवाला देकर बिजली उपभोक्ताओं से आग्रह किया है कि समय पर बिजली बिल का भुगतान कर न केवल अपनी जिम्मेदारी निभाएं, बल्कि आर्थिक रूप से भी लाभ उठाएं। नियमित भुगतान करने वाले उपभोक्ताओं को कई तरह की छूट और रियायतें दी जा रही हैं, जिससे मासिक खर्च और बिजली उपयोग दोनों में संतुलन बनाए रखना आसान होता है। समय पर भुगतान करने से उपभोक्ताओं को मिलने वाली विशेष सुविधाएं :

1) स्मार्ट मीटर में 25 पैसे प्रति यूनिट की दर से ऊर्जा शुल्क में अतिरिक्त छूट। 2) स्मार्ट मीटर में लगातार तीन महीने तक 2000 रुपए से अधिक बैलेंस रखने पर रिजर्व बैंक द्वारा निर्धारित बैंक दर से ब्याज। 3) ससमय से विद्युत बिल के भुगतान पर 1.5% की छूट। ऑनलाइन के माध्यम से समय भुगतान पर 1% की अतिरिक्त छूट। 4) ग्रामीण उपभोक्ताओं द्वारा एक तिमाही के सभी विद्युत विपत्र का समय भुगतान पर 1% की अतिरिक्त छूट।

मोबाइल ऐप से भुगतान है सुविधाजनक विकल्प :

स्मार्ट प्रीपेड मीटर उपभोक्ताओं के लिए मोबाइल ऐप के माध्यम से बिल भुगतान सबसे आसान और तेज विकल्प है। सुविधा ऐप' के जरिए उपभोक्ता रिचार्ज, बिजली खपत और बैलेंस की जानकारी घर बैठे प्राप्त कर सकते हैं। विभाग ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे स्मार्ट मीटर अपनाएं और समय पर बिल भुगतान कर निर्बाध बिजली आपूर्ति का लाभ उठाएं। इससे न केवल बिजली प्रबंधन बेहतर होगा, बल्कि उपभोक्ताओं की आर्थिक बचत भी सुनिश्चित होगी।

इसूज़ु मोटर्स इंडियाने इसूज़ु आई-केयर विंटर कैम्प की घोषणा की

चेन्नई। उपभोक्तओं को वाहनों की खरीद का उत्कृष्ट अनुभव एवं सर्वश्रेष्ठ सर्विस उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता को जारी रखते हुए इसूज़ु मोटर्स इंडिया अपनी इसूज़ु डी-मैक्स पिक-अप्स एवं एसयूवी रेंज के लिए देश भर में इसूज़ु आई-केयर विंटर कैम्प का आयोजन करने जा रही है। इस सर्विस कैम्प का उद्देश्य उपभोक्ताओं को प्रीवेन्टिव मेंटेनेन्स चैक एवं आकर्षक फायदों का लाभ प्रदान करना है, ताकि वे सर्दियों के इस सीजन निर्बाध ड्राइविंग का अनुभव पा सकें।

इसूज़ु केयर की पहल, इस विंटर कैम्प का आयोजन 8 से 13 दिसम्बर 2025 (दोनों दिन शामिल) के बीच इसूज़ु के सभी ऑथोराइज्ड डीलर सर्विस आउटलेट्स में किया जाएगा। इस अवधि के दौरान उपभोक्ता अपने वाहनों के लिए स्पेशल ऑफर्स एवं

फायदों का लाभ उठा सकेंगे।

विंटर कैम्प का आयोजन आगरा, अहिल्यानगर, अहमदाबाद, अंबिकापुर, बारामूला, बरेली, बाड़मेर, बरूच, भठिंडा, बैंगलुरु, भोपाल, भुवनेश्वर, बीकानेर, बिलासपुर, कालीकट, छत्रपति संभाजी नगर, चेन्नई, चिक्कमगलुरु, कोयंबटूर, दिल्ली, डिब्रूगढ़, दीमापुर, दुगार्पुर, एनार्कुलम, गांधीधाम, गुरुग्राम, गुवाहाटी, हावड़ा, हुबली, हैदराबाद, इंदौर (2), जयगांव, जयपुर, जलंधर, जम्मू, जोधपुर, कडप्पा, कालाबुरागी, करनाल, खम्मम, कोल्हापुर, कोलकाता, कोट्टायम, कुरनूल, लातूर, एलबी नगर (हैदराबाद), लेह, लखनऊ, लुधियाना, मदुरै, मंडी, मेहसाणा, मोहाली, मुंबई (नेरुल और बोरीवली), मुंद्रा, मैसूर, नागपुर, नासिक, नेल्लोर, निजामाबाद, नोएडा, पटना, पुणे, रायपुर, राजमुंदरी, राजकोट, रत्नागिरी, सतारा, शिवमोग्गा, सीकर, सिलीगुड़ी, सोलापुर, सूरत, थेनी, त्रिशूर, तिरुनेलवेली, तिरुपति, त्रिची, तिरुवनंतपुरम, वडोदरा, विजयवाड़ा और विशाखापत्तनम में स्थित इसूज़ु की सभी ऑथोराइज्ड सर्विस युनिट्स में होगा।

शाहगंज महोत्सव में पहुंचे कृपाशंकर सिंह, नव जोड़ों को दिया आशीर्वाद

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जनपद के शाहगंज स्थित रामलीला मैदान में आयोजित दो दिवसीय शाहगंज महोत्सव का शुभारंभ गुरुवार को मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत भव्य सामूहिक विवाह से हुआ। सामाजिक समरसता की मिसाल बने इस आयोजन में 50 ब्राह्मणों के वैदिक मंत्रोच्चारण बीच 748 जोड़ों ने सात फेरे लेकर वैवाहिक जीवन में प्रवेश किया, वहीं तीन मुस्लिम जोड़ों का मौलाना राफे ने निकाह पढ़ाया। समाज कल्याण विभाग द्वारा आयोजित समारोह में वर जहां पारंपरिक जामा में सजे दिखे, वहीं वधुएं लाल साड़ी और गोटेदार चुनरी में नजर आईं। सभी नवविवाहित जोड़ों को परिधान, उपहार सामग्री व विवाह प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री मंत्री धर्मवीर प्रजापति, महाराष्ट्र के पूर्व गृह राज्य मंत्री कृपाशंकर सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति, पूर्व सांसद कुंवर हरिवंश सिंह, विधायक रमेश सिंह सहित जनप्रतिनिधियों ने वर वधुओं पर पुष्प वर्षा कर आशीर्वाद दिया।

अपने संबोधन में पूर्व सांसद कुंवर हरिवंश सिंह ने कहा कि गरीब परिवारों की बेटियों के सम्मानजनक विवाह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की योजना बड़ी सहायक सिद्ध हो रही है। उन्होंने नवदंपतियों के जीवन को सीताराम और राधाकृष्ण की तरह सुखमय होने की कामना की। कृपाशंकर सिंह ने कहा कि जौनपुर के लोग मेहनत और संस्कारों के लिए देशभर में पहचाने जाते हैं। उन्होंने कहा कि उनका पूरा प्रयास है कि जनपद में रोजगार के नए साधन बढ़ें। महोत्सव में लोक गायक पवन शर्मा खाप और आल्हा सम्राट फौजदार सिंह की टीम ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। वहीं बहराइच के धर्मेंद्र राजभर ने हाथ, घुटनों और सिर से नारियल फोड़ने सहित विभिन्न रोमांचक कारनामों का प्रदर्शन किया।

भारी जल वृष्टि से किसानों को हुई फसल क्षति का सांसद ने लोस में उठाया सवाल

सिवान (उत्तरशक्ति)। महाराजगंज बिहार के 19 लोकसभा क्षेत्र के सांसद जनार्दन सिंह सीग्रीवाल ने लोकसभा में नियम-377 के तहत भारी जलवृष्टि से किसानों को बड़े पैमाने पर हुए नुकसान की ओर ध्यान दिलाते हुए उनके लिए राहत की मांग किया है। सांसद जनार्दन सिंह सीग्रीवाल ने कहा कि जलवायु परिवर्तन के कारण विगत महीनों में मानसून काल समाप्त होने के बाद भी,बिहार विशेषकर सारण प्रमंडल, जिसमे मेरा संसदीय क्षेत्र महाराजगंज भी आता है , लगातर कई दिनों तक हुयी भारी जलवृष्टि से किसानों को बड़े पैमाने पर हुए नुकसान हुआ है, सदन के माध्यम से सांसद ने सरकार का ध्यान दिलाया है। सांसद ने कहा है कि बिहार राज्य में लगभग 56.03 लाख हेक्टेयर कृषि योग्य भूमि है ' इसमें लगभग 05 लाख हेक्टेयर में सारण प्रमंडल के किसान अपना खेती-बारी करते हैं ' भारी जलवृष्टि से किसानों का खरीफ का फसल लगभग पूर्ण रूप से बर्बाद हो गया है और रबि फसल की बोआई भी बड़े स्तर पर प्रभावित हो रही है ' ऐसे में किसानों की स्थिति काफी दयनीय हो गयी है ' किसानों के लिए धन का श्रोत एक मात्र कृषि ही हैं।

सांसद ने लोकसभा अध्यक्ष के माध्यम से सरकार से अनुरोध किया कि केन्द्र के स्तर से एक टीम भेजकर अति जलवृष्टि से मेरे संसदीय क्षेत्र महाराजगंज सहित बिहार के किसानों को हुए भारी क्षति/नुकसान का आकलन कराया जाये और प्रभावित किसानों को आपदा के तहत आर्थिक सहयोग प्रदान किया जाये।

उत्तरभारतीय संघ शिवसेना महाराष्ट्र कार्याध्यक्ष जय प्रकाश सिंह का सत्कार

मुंबई। उत्तरभारतीय संघटना शिवसेना (शिंदे गुट) महाराष्ट्र के नव-नियुक्त कार्याध्यक्ष जय प्रकाश सिंह से गुरुवार को बाला साहेब भवन, मुंबई में औपचारिक मुलाकात की गई। इस अवसर पर उन्हें शॉल भेंट कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में समाजसेवक, समाजसेविका, परिवर्तन संघटना, भामला फाउंडेशन, सनातन सेना फाउंडेशन तथा शिवसेना (शिंदे गुट) गृह संकुल इमारत महाराष्ट्र एवं मुंबई से जुड़े कई पदाधिकारी और गणमान्य उपस्थित रहे।

इस दौरान श्रद्धा गोरगे (ज्योतिष) और सुखबिंदर सिंह (लाला भाई) भी विशेष रूप से मौजूद रहे। समारोह में मुख्य रूप से राजेश सिंह, सचिव, शिवसेना महाराष्ट्र उत्तरभारतीय संघटना, दिनेश सिंह, कोषाध्यक्ष,

शिवसेना महाराष्ट्र उत्तरभारतीय संघटना, अनिल शुक्ला, उपाध्यक्ष, शिवसेना महाराष्ट्र उत्तरभारतीय संघटना, विजय विश्वकर्मा, दिंडोशी विधानसभा समन्वयक, उत्तरभारतीय संघटना, इसके अतिरिक्त अन्य अनेक सामाजिक कार्यकर्ता एवं मान्यवरों ने भी कार्यक्रम में भाग लिया और जय प्रकाश सिंह को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएँ दीं।

पत्रकार अमित कुमार शर्मा को राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश चन्द्र शुक्ल ने संगठन की ओर से दी शुभकामनाएं

देहरादून। अखिल भारतीय समाचार पत्र एसोसिएशन के उत्तराखण्ड इकाई के राज्य अध्यक्ष अमित कुमार शर्मा को पत्रकार कल्याण कोष/मुख्यमंत्री पत्रकार सम्मान पेंशन योजना के संचालन हेतु निर्धारित शासकीय समिति का सदस्य बनाया गया है। महानिदेशक, सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार इस समिति में अ.भा.स.प.ए.के नामित प्रतिनिधि के अलावा ४ अन्य गैर सरकारी सदस्य भी शामिल किये गये हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश चन्द्र शुक्ल ने श्री शर्मा को शुभ कामनायें देते हुए कहा है कि ₹पत्रकार कल्याण कोष/मुख्यमंत्री पत्रकार सम्मान पेंशन योजना₹ के संचालन हेतु निर्धारित इस शासकीय समिति में उनके सदस्य बनाये जाने से उत्तराखण्ड राज्य में संगठन के प्रतिनिधित्व को अत्यधिक संबल व शक्ति प्राप्त हुई है। इससे समाचार पत्रों के हित संवर्धन व एतदर्थ लम्बित प्रकरणों को बेहतर तरीके से सरकार के समक्ष रखे जा सकेंगे। राष्ट्रीय अध्यक्ष व नामित सदस्य अमित कुमार शर्मा ने इस मनोनयन के लिए उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी एवं सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग के महानिदेशक बंशीधर तिवारी का आभार ज्ञापित करते हुए कहा कि इस अत्यन्त महत्वपूर्ण समिति में एसोसिएशन का प्रतिनिधित्व हमारे लिए प्रसन्नता व गर्व का विषय है। समाचार पत्रों व पत्रकारों के हितों के लिए महानिदेशक द्वारा किये जा रहे जनकल्याणकारी कार्य प्रशंसनीय एवं सराहनीय हैं। विनिर्दिष्ट समिति के गठित होने से निश्चित तौर पर सभी प्रभावित पत्रकारों को लाभ मिल सकेगा।

उल्लेखनीय है कि अखिल भारतीय समाचार पत्र एसोसिएशन बारहवें, चौदहवें और पन्द्रहवें त्रिवर्षीय सत्र में भारतीय प्रेस परिषद द्वारा विधिवत अधिसूचित राष्ट्रीय संगठन है जो देश स्तर पर सम्पादकों/पत्रकारों के हित संरक्षण एवं खुशहाली के लिए पूरे मनोयोग से विगत तीस वर्षों से कार्यरत है।

इस उपलब्धि पर संगठन की ओर से सर्वश्री पवन सहयोगी, दीनदयाल मित्तल, आशीष शर्मा, श्रीमती अनीता चतुर्वेदी, रमेश चन्द्र जैन, महेश कुमार शर्मा, आरिफ जमाल, संजय चतुर्वेदी, संजय कुमार मिश्र, विनोद बाजपेयी, रामशरण दीक्षित, अरविन्द शर्मा, दिनेश शक्ति त्रिखा, वीरेन्द्र दत्त शर्मा, देवेन्द्र त्रिपाठी, कुश कुमार ने विभिन्न माध्यमों से बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

महाराजगंज सब्जी बाजार में भी अतिक्रमण हटाने की मांग

सिवान (उत्तरशक्ति)। महाराजगंज बिहार की सीवान के पूरे जिले में प्रशासन द्वारा अतिक्रमण हटाया जा रहा है उसी कड़ी में महाराजगंज शहर के सब्जी बाजार में भी सड़कों के किनारे से अतिक्रमण हटाए जाने की मांग उठी है। उमेश ठाकुर, उमेश प्रसाद, सतेंद्र प्रसाद, अनिल कुमार, संतोष कुमार, आदि लोग सहित कई सब्जी विक्रेता ने स्थानीय प्रशासन से सब्जी मार्केट से भी अतिक्रमण हटाने की मांग की है।

वर्तमान में मुख्य सड़क से सब्जी बाजार में प्रवेश करने के लिए सड़के हैं लेकिन आस पास के लोगों द्वारा अतिक्रमण कर लेने से ठेला तक सब्जी बाजार में प्रवेश करने में अटक जाती है। बाजार में हमेशा भीड़ रहती है। उमा शंकर प्रसाद उच्च विद्यालय में जाने पर भी परेशानी है, बच्चे भी परेशानी से सड़क पर निकलते हैं। यहां अतिक्रमण से सड़क पर वाहन चलाना दुश्वार हो जाता है। जब दो वाहन आमने-सामने पास करते हैं तो यहां कुछ देर के लिए जाम लग जाता है।

खानम आर्ट गैलरी में जिला स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता और अरबी कैलिग्राफी कार्यशाला का आयोजन संपन्न

प्रयागराज (उत्तरशक्ति) । खानम आर्ट गैलरी में चल रही निःशुल्क कार्यशाला में आज जिला स्तरीय प्रतियोगिता और अरबी कैलिग्राफी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बच्चों ने विभिन्न माध्यमों से अपनी कलाकृति बनाई और अपनी कल्पना को एक खूबसूरत उड़ान दी। कल, पारंपरिक कला पर कार्यशाला का आयोजन किया गया था, जिसमें बच्चों ने वॉटर कलर स्केचिंग और नेचर स्केचिंग में अपनी प्रतिभा दिखाई। आज के मुख्य अतिथि प्रसिद्ध चित्रकार रवींद्र कुशवाहा , जो राज्य ललित कला अकादमी के सदस्य हैं, ने बच्चों की कलाकृतियों की प्रशंसा की और उन्हें प्रोत्साहित किया। कैलीग्राफी आर्टिस्ट मुसाब आदिल ने सुंदर कैलीग्राफी का लाइव डेमोंस्ट्रेशन दिया। कार्यक्रम का आयोजन डॉ. जाहेदा खानम, नेशनल आर्टिस्ट, प्रयागराज और डायरेक्टर, खानम आर्ट गैलरी ने किया। बच्चों को प्रथम द्वितीय तृतीय पुरस्कार वार्षिक समारोह में प्रदान किया जाएगा। 6 दिसंबर को खानम आर्ट गैलरी का 5वां वार्षिक समारोह का बड़ा कार्यक्रम क्रिएटिव वुमन्स अवार्ड शो है, रीता बहुगुणा जोशी, पूर्व मंत्री और सांसद, मुख्य अतिथि के रूप में होंगी सम्मानित इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों से आई क्रिएटिव महिलाओं को रीता बहुगुणा जोशी सम्मानित करेंगीं।

वेदमूर्ति देवव्रत महेश रेखे को 'दण्डक्रम त्रिविक्रम उपाधि', सम्पूणार्नंद विश्वविद्यालय के कुलपति ने किया सम्मानित

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के सम्पूणार्नंद संस्कृत विश्वविद्यालय में भारतीय ज्ञान परम्परा के तत्वावधान में आयोजित समारोह में 19 वर्षीय वेदमूर्ति देवव्रत महेश रेखे को दण्डक्रम त्रिविक्रम उपाधिर से सम्मानित किया गया। यह सम्मान शुक्ल यजुर्वेद की माध्यन्दिनी शाखा के कठिनतम दण्डक्रम पारायण को अल्प आयु में पूर्ण करने पर प्रदान किया गया। कुलपति प्रो. बिहारी लाल शर्मा ने वेदमूर्ति को उपाधि प्रदान कर सम्मानित किया।

उन्होंने कहा कि वेद भारतीय ज्ञान परंपरा की आत्मा हैं। 19 वर्ष की आयु में दण्डक्रम पारायण जैसा दुष्कर अनुष्ठान पूरा करना न केवल वेद परम्परा की जीवंतता का प्रमाण है, बल्कि यह युवा पीढ़ी की शक्ति, समर्पण और दृढ़ संकल्प का द्योतक भी है।ï उन्होंने आगे कहा कि दण्डक्रम में लगभग 2000 मंत्रों और ढाई लाख पदों का शुद्ध, निर्बाध और दीर्घ उच्चारण आवश्यक होता है, जो अत्यंत अनुशासन और साधना मांगता है। कुलपति ने देवव्रत की सफलता का श्रेय उनके पिता के संस्कारों और मार्गदर्शन को भी दिया और उपस्थित युवाओं से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। कुलपति प्रो. शर्मा ने कहा कि काशी की यह धरती जहां अनाथों के नाथ विश्वनाथ और मां शारदा स्वयं कण-कण में विद्यमान हैं, वहां असंभव कुछ भी नहीं है। उन्होंने कहा कि देवव्रत की उपलब्धि यह संदेश देती है कि दृढ़ संकल्प से कोई भी लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। समारोह में कुलपति द्वारा उन्हें दण्डक्रम-त्रिविक्रम उपाधि, अभिनन्दन पत्र, एक आकर्षक शील्ड, अंगवस्त्र और उष्णीष (पगड़ी) प्रदान किए गए। इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिवार और काशी की अनेक प्रतिष्ठित वैदिक संस्थाओं, जैसे भारत धर्म महामंडल, स्वामी नारायणानंद वेदविद्यालय, वेदनिधि ट्रस्ट, वेदविद्यापीठ खोजवां, श्री पट्टाभिराम शास्त्री वेदविद्यानुसंधान केंद्र आदि के गुरुजन एवं विद्वान उपस्थित थे और उन्होंने माल्यार्पण कर देवव्रत का अभिनंदन किया। कार्यक्रम में डॉ. विजय कुमार शर्मा द्वारा मंगलाचरण किया गया तथा संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. ज्ञानेंद्र सापकोटा ने किया। समारोह में कुलसचिव राकेश कुमार, प्रो. रामपूजन पांडे, प्रो. दिनेश कुमार गर्ग, प्रो. महेंद्र पांडे, प्रो. जितेंद्र कुमार, डॉ. मधुसू मिश्र सहित अनेक विद्वान स्वस्तिवाचन साथ उपस्थित रहे।

सोनालीका ट्रैक्टर्स का रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन

पटना। सोनालीका ट्रैक्टर्स ने अप्रैल-नवंबर 2025 में 1,26,162 ट्रैक्टरों की बिक्री के साथ अब तक की सर्वाधिक वाईटीडी बिक्री का रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन किया है। यह असाधारण प्रदर्शन सोनालीका के सशक्त नेतृत्व और भारत तथा वैश्विक परिदृश्य में कृषि मशीनीकरण को गति देने में उसकी महत्वपूर्ण भूमिका को दर्शाता है। बेहतर दक्षता और उत्पादकता बढ़ाने के लिए किसान तेजी से बड़े हैवी ड्यूटी ट्रैक्टरों पर निर्भर हो रहे हैं और सोनालीका का मजबूत प्रदर्शन भारत में पारंपरिक खेती से तकनीक-आधारित कृषि की ओर तेजी से बढ़ते बदलाव का संकेत देता है।अगली पीढ़ी के

ठाणे शहर की पुलिस ने दो दलालो को किया गिरफ्तार

5 लडकियो को सेक्स रैकेट के दलदल से बचाया

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। आर्केस्ट्रा बार में काम करने वाली लडकियो से आरोपी दलाल करवा रहा था जिस्मफरोशी का कारोबार आज महाराष्ट् के ठाणे शहर पुलिस आयुक्तालय के वागले इस्टेट पुलिस स्टेशन को एनजीओ से खबर मिली कि, वागले इस्टेट पुलिस स्टेशन की हद में लुइसवाडी धीरज होटल के पास दो पुरुष दलाल ग्राहकों को आर्केस्ट्रा बार में काम करने वाली लड़कियों के फोटो भेजकर देहव्यापार के लिए लडकीया सप्लाई करने आने वाले हैं। वागले इस्टेट पुलिस स्टेशन की टीम ने लुईसवाडी धीरज होटल के पास कस्टमर भेजकर छापा मारकर दो पुरुष दलालों को हिरासत में लेकर 5 पीड़ित लडकियो को वेश्याव्यवसाय के दलदल से रेस्क्यू किया। पुलिस जांच पड़ताल कर रही है कि गिरफ्तार 2 पुरुष दलालों के कितने और भी साथीदार है, और कितनी और भी आर्केस्ट्रा बार में काम करने वाली लडकियो को वेश्याव्यवसाय में धकेला है। पुलिस ने रेस्क्यू की गई 5 लडकियो में से कुछ लडकिया साल 2021 में एमबीवीवी पुलिस आयुक्तालय के मीरा रोड पुलिस स्टेशन में देहव्यापार के केस में पकड़ी गई थी। दोनों गिरफ्तार दलाल ग्राहकों को घोड़बंदर ठाणे और काल्हेर भिवंडी की आर्केस्ट्रा बार में काम करने वाली लडकियों के फोटो भेजकर वेश्याव्यवशय का कारोबार विगत 4 5 सालों से चला रहे थे। वागले इस्टेट पुलिस स्टेशन की टिम 2 दलाल आरोपियों को गिरफ्तार कर-के BNS एक्ट 143(1),143(3),3(5)ओर पीटा एक्ट 4,5 की धाराओं के तहत कानूनी कारवाई कर रही है, व 5 पीडीत लडकीयों को सुरक्षित महिला सुधाकर भेजने की कानूनी प्रक्रिया कर रही है। इस तरह इस सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ करके इठर और पीटा एक्ट के तहत कानूनी कारवाई ठाणे शहर पुलिस आयुक्तालय के वरीष्ठ अधिकारियों जोन 5 DCP प्रशांत कदम और वागले इस्टेट पुलिस स्टेशन के सीनियर पीआई के मार्गदर्शन में वागले इस्टेट पुलिस स्टेशन के पीआई शिवानंद देवकर के साथ वागले इस्टेट पुलिस की टिम ने संयुक्त रूप से कारवाई किया।

सनातन राष्ट्र शंखनाद महोत्सव: दिल्ली में क्षात्रतेज का महाआह्वान

वाराणसी। देश की आंतरिक सुरक्षा पर बढ़ते खतरे, सांस्कृतिक अतिक्रमण के बढ़ते स्वरूप और आतंकवाद के बदलते चेहरे के बीच अब दिल्ली में एक ऐसा महोत्सव आयोजित होने जा रहा है, जो केवल आयोजन नहीं, बल्कि शौर्य, संस्कृति और राष्ट्रीय चेतना का पुनर्जागरण साबित होगा। सेव कल्चर सेव भारत फाउंडेशन और सनातन संस्था द्वारा आयोजित भव्य सनातन राष्ट्र शंखनाद महोत्सव दिसंबर को इंद्रप्रस्थ स्थित भारत मंडपम में आयोजित होगा। इसकी जानकारी स्वागत समिति के सदस्य सद्गुरु निलेश सिंगबाळजी ने पराडकर स्मृति भवन में आयोजित प्रेसवार्ता में दी। वाराणसी व्यापार मंडल के अध्यक्ष अजीत सिंह बग्गा ने बताया कि भारत मंडपम के प्रदर्शनी हॉल में पहली बार छत्रपति शिवाजी महाराज की भवानी तलवार का प्रत्यक्ष दर्शन कराया जाएगा। इसके साथ ही शिवकालीन शस्त्रों, सनातन कला, अध्यात्म, भारतीय युद्धकला और विविध सांस्कृतिक प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। पारंपरिक युद्धकला प्रदर्शन, शस्त्रपूजन और शौर्य प्रदर्शन महोत्सव की विशेष पहचान होंगी। बग्गा ने बताया कि उत्तर प्रदेश से से अधिक सनातन राष्ट्र समर्थकों सहित अनेक हिंदू संगठन, आध्यात्मिक संस्थाएँ, अधिवक्ता, डॉक्टर्स, उद्योगपति और जनप्रतिनिधि इस आयोजन में शामिल होंगे। बग्गा ने बताया कि यह महोत्सव सुरक्षा, संस्कृति और राष्ट्र की एक सामूहिक पुकार है। इंद्रप्रस्थ में होने वाला यह शंखनाद आने वाली पीढ़ियों के लिए नवयुग का उद्घोष भी होगा, जिसमें संस्कृति और सुरक्षा–दोनों का संगम एक राष्ट्रधर्म के रूप में उभरेगा। उन्होंने कहा कि भारत ऑपरेशन सिंदूर जैसी विश्वस्तरीय सुरक्षा कार्रवाइयों, चौथी वैश्विक आर्थिक शक्ति बनने और वैज्ञानिक-तकनीकी क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति के बावजूद, आज आंतरिक सुरक्षा को गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है।

बसुही नदी से अधेड़ का शव बरामद, परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप; जांच में जुटी पुलिस

-दिनेश विश्वकर्मा

मीरगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मीरगंज थाना क्षेत्र के माधोपुर इमिलिया निवासी एक अधेड़ व्यक्ति का शव शुक्रवार सुबह बसुही नदी से बरामद होने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। शव बंधवा पुलिस बूथ के पास पानी में उतराया हुआ मिला। मृतक की पहचान 55 वर्षीय महेंद्र गौतम के रूप में हुई है। सूचना पर मीरगंज पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच-पड़ताल शुरू कर दी। स्थानीय लोगों के अनुसार महेंद्र गौतम शराब के आदी थे और अक्सर शराब के ठिकानों पर देखे जाते थे। तलाशी के दौरान पुलिस को मृतक की जेब से दो चिलम और थोड़ी मात्रा में गांजा भी मिला है। उधर, परिजनों ने महेंद्र की मौत को संदिग्ध बताते हुए हत्या का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि हत्या कर शव को नदी में फेंका गया है। परिजनों ने पुलिस प्रशासन से निष्पक्ष जांच की मांग की है। मीरगंज थानाध्यक्ष ने बताया कि कई बिंदुओं पर जांच जारी है और मृत्यु का वास्तविक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है और पुलिस मामले की गहराई से जांच में जुटी हुई है।

योगी आदित्यनाथ की अद्भुत जीवन शैली ही जोग है : प्रेमभूषण महाराज

-लाल शेखर सिंह

मध्यप्रदेश- (उत्तर शक्ति) विदिशा स्थित गंज बासौदा के श्रीधाम बासौदा दरबार में श्रआओ गायें रामकथा घर घर में।इस आध्यत्मिक आंदोलन के प्रणेता पूज्यश्री प्रेमभूषण महाराज के व्यासत्व में आयोजित रामकथा महोत्सव में उमड़े विशाल जन सागर को संबोधित करते हुए प्रेमभूषण महाराज ने कहा कि जहाँ व्यक्ति का विश्वास हो वहाँ से हटना नही चाहिए।अपनी रामकथा को विस्तार प्रदान करते हुए प्रेमभूषण महाराज ने कहा कि,भगवान का वनवास जीवन को शिक्षण प्रदान करता है कि राजसिंहासन पर आसीन होने से पूर्व राजा को देश की भौगोलिक, आर्थिक और सामरिक स्थिति का अध्ययन करके राष्ट्रहित में उत्तम उपाय करना आवश्यक होता है।रघुवंश को गुरुनिष्ठ वंश की संज्ञा प्रदान करते हुए मानस के व्यवहार घाट के लोकप्रिय वक्ता प्रेमभूषण महाराज ने कहा कि हमारी पात्रता के अनुसार ही जीवन में कथा अमृत संचित होती है। कलयुग में जीव का भगवान में मन नही रमता और जिनका रमता है उनके जन्मजन्मांतर के पुण्य संग्रहित होते हैं। भगवान अपना कार्य भागवतों और अपने प्रिय जनों से ही करवाते हैं। मनुष्य को सिद्धि दूर से दिखाई देती है निकट की सिद्धि उसे नही दिखाई देती है।

प्रेमभूषण महाराज ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रशंसा करते हुए कहा कि योगी अपनी साम्प्रदायिक साधना में लगे रहते हैं उनकी यह अद्भुत जीवन शैली ही जोग है गुरु गोरखनाथ और उनके शिष्य राजा भर्तृहरि को स्मरण करते हुए पूज्यश्री प्रेमभूषण महाराज ने कहा कि,गुरु शिष्य को जगाने के लिए किसी भी अवस्था में कहीं भी उपस्थित हो जाता है। इस बीच प्रेमभूषण महाराज ने प्रसिद्ध जोगी गीत घुमत घमत जोगिया आवेला दुवारिया हो और बसा हुआ भगवान सब के मनमंदिर में जैसे कई लोकप्रिय भजन सुनाकर श्रोताओं को भावविभोर कर दिया।

राजेश स्नेह ट्रस्ट दिव्यांग बच्चों की प्रतिभा को निखार रहा: डॉ राम नारायण सिंह

विश्व विकलांग दिवस पर नगर के रुहटा में प्रतिभावान दिव्यांग बच्चों का हुआ सम्मान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विश्व विकलांग दिवस पर राजेश स्नेह ट्रस्ट ऑफ एजुकेशन दिव्यांग बच्चों का स्कूल एवं पुनर्वास केंद्र रूहट्टा प्रतिभावान बच्चों के लिए सम्मान समारोह का आयोजन किया गया' इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष डॉ राम नारायन सिंह व पत्रकार अरुण कुमार सिंह, समाजसेवी उर्वशी सिंह, उपाध्यक्ष प्रदीप मिश्र और सचिव किरन ने मौजूद जन समूह से ऐसे बच्चों के सहयोग और सेवा में लगी संस्था के साथ इस पुनीत कार्य में जुड़ने का आह्वान किया। इस मौके पर नेत्रहीन राहुल पाठक ने अपना उदाहरण देते हुए दिव्यांग बच्चों में आत्मविश्वास से उन्हें आगे बढ़ने, पढ़ने का जोश भरा। उन्होंने मीडिया से आये लोगों का आह्वान करते हुए विकलांग जनों की पीड़ायुक्त समस्या की तरफ ध्यान आकृष्ट किया' उन्होंने कहा कि पहले हर ट्रेन में एक बोगी यानी डिब्बा विकलांग जनों के लिए होता था। अब कुछ ट्रेनों में सीटें तो होती हैं लेकिन उसे खोजने में ट्रेन छूट जाती हैं। इसी तरह सामान्य बसों में विकलांग सीट होती है लेकिन उनके लिए लग्जरी बसों में यह सुविधा नहीं मिलती है' सरकार को इस समस्या पर ध्यान देना चाहिए ' कार्यक्रम में अध्यक्ष डॉ. राम नारायण सिंह, उपाध्यक्ष प्रदीप मिश्रा, सचिव किरन व अन्य अतिथियों का स्वागत संस्था के उपाध्यक्ष एवं संयोजक डॉ .राजेश कुमार गुप्ता ने किया' कोषाध्यक्ष अजय श्रीवास्तव व सदस्य गणों में श्रीमती रेखा त्रिपाठी, रेखा सिंह, राकेश सिंह ,राहुल पाठक सविता पाठक रविकांत जायसवाल,अरुण सिंह ,शरद साहू ने भी विचार व्यक्ति किये ' कार्यक्रम में मौजूद अरविंद सिंह, नवीन, डॉ लल्लन विश्वकर्मा, उर्वशी सिंह, सरोज कुमार मिश्रा,प्रवेश गुप्ता, विशाल सिंह के सहयोग की जानकारी संयोजक ने दी' पत्रकार दिलीप शुक्ला व कैलाश सिंह के अलावा रविंद्र सिंह, जनार्दन सिंह, प्रवेश गुप्ता, विशाल सिंह , शिव

पेन-फ्री महाराष्ट्र ने 24 घंटे में सबसे अधिक जोड़ों की स्वास्थ्य जाँच करने का गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स का खिताब हासिल किया

मुंबई। परोपकारी मधुसूदन अग्रवाल (वाइस चेयरमैन और को-फाउंडर, अजंता फार्मा तथा मानद कॉन्सुल, रिपब्लिक ऑफ युगांडा) के नेतृत्व में ममता और मधुसूदन अग्रवाल फाउंडेशन ने पेन-फ्री महाराष्ट्र पहल के तहत 24 घंटे में सबसे अधिक घुटने की जाँच करने का गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स खिताब हासिल किया है। यह रिकॉर्ड आज मुंबई में गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स की जापान से आई निर्णायक सुश्री सोनिया उशिरोगोची द्वारा आधिकारिक रूप से प्रमाणित किया गया। टीमों ने लगातार काम करते हुए महाराष्ट्र के वंचित समुदायों से आए 512 मरीजों की स्क्रीनिंग की। यह उपलब्धि 27 से 28 नवंबर, 2025 के बीच वाशिम ज़िले के सबसे ज्यादा आर्थिक रूप से कमजोर इलाकों में से एक, रिसोड में की गई एक बड़ी स्क्रीनिंग पहल के बाद मिली है। रिकॉर्ड दर्ज करने वाला यह आयोजन रिसोड, वाशिम ज़िले में आयोजित सप्ताहभर के मुफ्त जॉइंट हेल्थ कैंप पर आधारित था, जहाँ वाशिम, अकोला, अमरावती, बुलढाणा और यवतमाल समेत 10 से ज्यादा ज़िलों के मरीजों की कूल्हे और घुटने की मुफ्त जाँच की गई।

चतुर्रंगिनी का वार्षिक कार्यक्रम पूरब पश्चिम के साथ परंपरा का सही मिश्रण

मुंबई। चतुर्रंगिनी ग्रुप का छठा वार्षिक उत्सव 'पूरब-पश्किम' कस्तूरबा हॉल माटुंगा पश्चिम में बड़ी धूमधाम और धूम-धड़ाके के साथ आयोजित किया गया। ग्रुप में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को मुकुट एवं विजय चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। चतुर्रंगिनी ग्रुप की अध्यक्ष सुश्री शिल्पा देसाई एवं उनकी टीम ने इस कार्यक्रम की योजना बहुत सुन्दर ढंग से बनाई थी। कार्यक्रम के नाम के अनुरूप पूरब पश्चिम की मिक्स मैच थीम वाली पोशाक पहनकर और नये-पुराने गानों पर नृत्य करती हुई उपस्थित चतुर्रंगिनियों को ऐसा लगा मानो उनके सामने कोई रंगीन फिल्म चल रही हो। इन सबमें जो बात ध्यान देने वाली थी वह यह कि फैशन वॉक को बहुत ही खूबसूरती से प्रस्तुत किया गया और चतुरंगिनियों ने अपना हुनर दिखाकर सभी का मनोरंजन किया। कार्यक्रम की मेजबानी हमेशा की तरह संजय राणे ने की और उनके नृत्य और अन्य चतुर्रंगिनी के मनमोहक नृत्य प्रदर्शन ने कार्यक्रम में ऐसा समां बांध दिया कि पूरब-पश्चिम नाम पूरी तरह से सार्थक हो गया। रोहित शिंदे के साथ, जो पेशे से एक सेलिब्रिटी कलाकार और डॉक्टर हैं, मराठी बिग बॉस -4 मिस्टर इंडिया -2019, सेलिब्रिटी कलाकार भाविनी गांधी और विशेष अतिथि आभूषण डिजाइनर प्रियंका घारे ने इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। लवली ने चतुर्रागिनी से भी संवाद किया। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण सभी चतुर्गिनियों को प्राप्त सुंदर पुरस्कार थे और इसके लिए विशेष रूप से वीणा प्रभु, मालाबार ज्वैलर्स, उषा फैशनकॉचर, कस्तूरी क्योर सेंटर, स्वप्नतीक्षा, विविस्बा, नवोरवी, श्लोक आर्ट गैलरी, लावण्या कलेक्शन, डीप क्रिएशन और लायंस क्लब ऑफ मैजिक ने भी उपहार और नकद प्रायोजन देकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। न केवल विकास में योगदान दिया बल्कि चतुरंगिनियों में भाग लिया और उनका मार्गदर्शन किया और उनके साथ नृत्य का आनंद लिया। इस आयोजन के लिए चतुर्रागिनी विशेष रूप से मुंबई, विरार, कल्याण, पनवेल, नासिक, अलीबाग और पुणे से आई थीं।

विधानसभा महिला मोर्चा की अध्यक्ष बनीं नीलम शर्मा

मुंबई। सायन कोलीवाड़ा विधानसभा क्षेत्र की शसक्त समाजसेविका नीलम शर्मा को भारतीय जनता पार्टी ने महिला मोर्चा का अध्यक्ष पद देकर उत्तर भारतीयों का गौरव बढ़ाया। उत्तर प्रदेश के वाराणसी की रहने वाली नीलम शर्मा का जन्म संगम नगर वडाला में हुआ यही से शिक्षा ग्रहण करते हुए समाजसेवी कार्यकर्ता के रुप में कार्य करने लगी। उनके उत्कृष्ट कार्य एवं पार्टी के प्रति समर्पण की भावना को देखते हुए भारतीय जनता पार्टी पदाधिकारियों ने नीलम शर्मा को सायन कोलीवाड़ा विधानसभा महिला मोर्चा अध्यक्ष के नाम की मुहर लगा दी। उक्त जिम्मेदारी रुपी सम्मान मिलने पर उत्तर भारतीयों में खुशी की लहर दौड़ गई फिर स्थानीय जनता ने नीलम शर्मा का सम्मान करते हुए शुभकामनाएं व्यक्त किया। भारतीय जनता पार्टी झोपड़पट्टी मोर्चा सायन कोलीवाड़ा मुंबई मंडल अध्यक्ष श्यामजी शर्मा सहित कवि एवं पत्रकार विनय शर्मा दीप, गोपाल शर्मा, कदम कदम पर के उप संपादक अनिल शर्मा, हरिशंकर शर्मा, हरिकेश शर्मा नंदवंशी, प्रदीप कुमार नंदवंशी, संतोष निरंकार शर्मा, एडवोकेट अनिल शर्मा, भारतीय जनता पार्टी ठाणे महिला मोर्चा अध्यक्ष राधा संतोष शर्मा, कन्हैयालाल शर्मा,मनोज कुमार शर्मा,बाबुल्ले शर्मा,सुरेश कमला प्रसाद शर्मा,चंद्रभूषण शर्मा,डॉ संतोष शर्मा, डॉ प्रहलाद शर्मा,अनिल कुमार शर्मा, कदम कदम पर के संपादक छोटेलाल शर्मा,वरिष्ठ समाजसेवी कलेक्टर शर्मा, कपूरी शर्मा, ओमप्रकाश सविता,आर एल वर्मा, गंगेश शर्मा, सुनील श्रीवास्तव, घनश्याम शर्मा, विनोद कुमार शर्मा, संतोष कुमार शर्मा आदि ने नीलम शर्मा को शुभकामनाएं एवं बधाइयां दीं तथा उनके उज्जवल भविष्य की कामना सभी ने किया।

स्मार्ट मीटर लगाने गए जेई और बिजली कर्मचारियों की पिटाई

सोनभद्र ,राबर्ट्सगंज (उत्तरशक्ति)। कोतवाली क्षेत्र के मेडिकल कालेज के सामने संचालित एक मेडिकल स्टोर पर पुराने मीटर को बदलकर नया स्मार्ट मीटर लगाने गए बिजली कर्मचारियों के साथ ही बीच-बचाव करने गए जेई की पिटाई कर दी गई। पुलिस ने इस मामले में जेई की तहरीर पर मेडिकल स्टोर संचालक सहित तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। राबर्ट्सगंज कोतवाली में पुलिस को दिए तहरीर में अवर अभियंता 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र छपका अमितानंद त्रिपाठी ने बताया कि तीन नवंबर को विद्युत निविदाकर्मी प्रवीण एव स्मार्ट मीटर की टीम वर्तमान में लागू उत्तर प्रदेश सरकार बिजली बिल राहत योजना के प्रचार प्रसार के साथ राजस्व वसूली करने के लिए गए थे। साथ ही एमआईएसपी योजना के तहत पुराने मीटर को बदलकर नया स्मार्ट मीटर लगाने के लिए टीम ग्राम लोढ़ी में मेडिकल के सामने संतोष मेडिकल के परिसर पर पहुंची। वहां पर उपस्थित संतोष जायसवाल (मेडिकल वाला), मनीष उर्फ गोल्डी व अमित ने उपस्थित विद्युत कर्मचारियों के साथ अचानक गाली गलौच एवं मारपीट करने लगे। निविदाकर्मी की सूचना पर जब मौके पर पहुंचा तो मेरे साथ भी गाली गलौज किया गया व हाथापाई भी किया गया। जिस पर हमनें तत्काल 112 पर दूरभाष के माध्यम से सूचना दी। मौके पर पुलिस ने पहुंचकर मामले को शांत कराया गया। मौके पर उक्त व्यक्तियों के की तरफ से किये गये गाली गलौच एवं मारपीट की फोटोग्राफी एवं विडियोग्राफी भी की गई है।

रात 10 बजे तक चलेगा ऑर्थो ओटी, बीएचयू ट्रॉमा सेंटर ने बढ़ाया जीवन बचाने का समय

वाराणसी। पूर्वांचल के प्रमुख स्वास्थ्य संस्थान ट्रॉमा सेंटर, आई.एम.एस. बी.एच.यू. ने मरीजों की बढ़ती जरूरतों और गंभीर ट्रॉमा मामलों की तात्कालिकता को देखते हुए एक बड़ा और राहतभरा फैसला लिया है। अब ऑथोर्पेडिक ऑपरेशन थिएटर (ओटी) 15 दिसंबर से रोजाना रात 10:00 बजे तक संचालित होगा। यह बदलाव मात्र समय विस्तार नहीं, बल्कि जीवन रक्षक चिकित्सा व्यवस्था को समय पर उपलब्ध कराने की दिशा में उठाया गया महत्वपूर्ण सुधार है।

ट्रॉमा सेंटर के आचार्य प्राभारी प्रो. सौरभ सिंह ने बताया कि पूर्वांचल और प्रदेश के अलग-अलग जिलों से गंभीर दुर्घटना, पॉलीट्रॉमा और ओपन फ्रैक्चर जैसी स्थितियों वाले मरीज बड़ी संख्या में शाम और रात के समय पहुंचते हैं। अब तक कई मामलों को स्टेबलाइज करके अगले दिन तक सर्जरी के लिए इंतजार कराना पड़ता था, जिससे जटिलता बढ़ने और अंग-हानि या संक्रमण का खतरा भी बढ़ जाता था। नई व्यवस्था इस इंतजार को खत्म करेगी और मरीजों को तत्काल सर्जिकल हस्तक्षेप उपलब्ध कराएगी।

बीएचयू का ट्रॉमा सेंटर लंबे समय से पूर्वांचल का मुख्य रेफरल सेंटर रहा है। बलिया, गोरखपुर, भदोही, सोनभद्र, मिजार्पुर, आजमगढ़, चंदौली से बड़ी संख्या में गंभीर मरीज यहां आते हैं। ओटी समय बढ़ने से इन जिलों के मरीजों को बेहद बड़ा लाभ मिलेगा। उनकी जान बचाने की संभावना बढ़ेगी, विकलांगता कम होगी और उपचार की गुणवत्ता अंतरराष्ट्रीय मानकों की ओर बढ़ेगी। मतलब साफ है बीएचयू ट्रॉमा सेंटर का यह निर्णय चिकित्सा सेवाओं के प्रति संवेदनशीलता, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और आधुनिक स्वास्थ्य नीति का उत्कृष्ट उदाहरण है। जहां ट्रॉमा मरीजों की एक-एक मिनट की कीमत होती है, वहां व्ञ समय बढ़ाकर बीएचयू ने पूर्वांचल को सुरक्षा की एक नई गारंटी दी है। यह कदम स्वास्थ्य सेवा सुधार का मॉडल बन सकता है, अन्य बड़े संस्थानों को भी इससे प्रेरणा मिलेगी। कहा जा सकता है समय बढ़ा है, उम्मीद बढ़ी है... और सबसे महत्वपूर्ण, जीवन बचाने की संभावनाएं भी।

क्यों जरूरी था ओटी समय बढ़ाना

ट्रॉमा सेंटर आने वाले गंभीर मामलों में शाम 6 बजे के बाद सबसे अधिक भीड़ रहती है। पॉलीट्रॉमा, कम्पाउंड फ्रैक्चर, डिसलोकेशन, वैस्कुलर इंजरी और हेड इंजरी के उन मामलों में, जहां ऑर्थो इनवॉल्वमेंट रहता है, समय पर सर्जरी जीवन और मृत्यु के बीच निर्णायक कारक होती है.

रात 10 बजे तक ओटी खुला रहने से, गंभीर मरीजों की सर्जरी अब उसी दिन हो सकेगी। संक्रमण, रक्तस्त्राव व अंग कटने जैसी आशंकाओं में भारी कमी आएगी। इमरजेंसी विभाग का दबाव घटेगा, ट्राइएज बेहतर होगी। घायल मरीजों के लिए स्वर्णिम समय (गोल्डेन अवर्स) का अधिकतम लाभ मिलेगा।

सीधे लाभ, मरीज, परिजन और सिस्टम सभी के लिए फायदे

1. रात में लाए गए ट्रॉमा मरीजों को तुरंत सर्जरीः विशेषकर पॉलीट्रॉमा, ओपन फ्रैक्चर व वैस्कुलर इंजरी में देरी जोखिम बढ़ाती थी।

2. सर्जरी अगले दिन टलने से मुक्ति : इससे न सिर्फ मौत का खतरा कम होगा, बल्कि रिकवरी भी तेजी से होगी।

3. लिंब-सेविंग प्रक्रियाओं में सफलता बढ़ेगीः जटिल फ्रैक्चर व धमनी चोटों में समय पर हस्तक्षेप अंग बचाने में गेमचेंजर साबित होता है।

4. इमरजेंसी विभाग पर बोझ कमः गंभीर मरीजों को रोके रखने की जरूरत नहीं पड़ेगी, जगह खाली होगी और नए केसों का प्रबंधन बेहतर होगा। 5. रिसोर्स मैनेजमेंट मजबूतः दिनभर की ओटी लोड बैलेंसिंग होने से सर्जिकल सिस्टम अधिक वैज्ञानिक और व्यवस्थित बनेगा।

6. शिक्षा व प्रशिक्षण के नए अवसर : ऑथोर्पेडिक रेजिडेंट्स, फेलोज और नर्सिंग स्टाफ को वास्तविक ट्रॉमा केसों का अनुभव बेहतर मिलेगा।

व्यवस्था लागू करने के लिए पूरा संस्थान सक्रिय

प्रो. सौरभ सिंह ने बताया कि ऑथोर्पेडिक विभाग, एनेस्थीसिया, नर्सिंग यूनिट, तकनीकी स्टाफ और प्रशासनिक इकाइयों को विस्तारित शिफ्ट में कार्य करने के लिए तैयार किया गया है। समर्थन सेवाएं, रेडियोलॉजी, ब्लड बैंक, पैथोलॉजी लैब, आईसीयू को भी रात तक समन्वय में रखने की व्यवस्था की गई है, ताकि किसी भी गंभीर मरीज की सर्जरी बिना किसी बाधा के हो सके। नई व्यवस्था 15 दिसंबर 2025 से ऐसे लागू होगी, ओटी संचालन समयः सुबह 8:00 बजे से रात 10:00 बजे तक, इमरजेंसी सर्जरी के लिए समर्पित टीम, सपोर्ट सर्विसेज का भी विस्तारित सहयोग, किसी भी गंभीर केस को बिना देरी सर्जरी की प्राथमिकता है।